भाद्रपद शुक्ल पक्ष 6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 72 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
17 सितंबर 2026
गुरुवार

सेवा के 25 वर्ष
सुशासन । गरीब कल्याण । राष्ट्र निर्माण

आशीर्वाद का दीया

जिसने जीवन सँवारा, उसे नमन हमारा

एक दीया
आशीर्वाद का, विकसित भारत के संकल्प का,
25 वर्षों की सेवा के सम्मान का

सेवा को साधना मानने वाले
माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी
के जन्मदिवस के अवसर पर जलाएं आशीर्वाद का दीया

17 सितंबर 2026 सायं 07:00 बजे

D-11115/26

आइए, एक साथ दीया जलाकर इस विशेष अवसर के सहभागी बनें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी

के जन्मदिवस के अवसर पर

आशीर्वाद का दीया

उज्जैन की पावन धरती पर

लाखों दीयों से जगमगाएगा

25 साल के सेवा संकल्प का भव्य उत्सव

शिप्रा घाट, उज्जैन

मुख्य अतिथि
नितिन नवीन

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव

17 सितम्बर, 2026

स्वामित्व योजना

अंतर्गत

50 लाख +

निजी संपत्तियों की नि:शुल्क रजिस्ट्री

अभियान का शुभारंभ

गांधी नगर ग्राउंड, इंदौर

यशस्वी प्रधानमंत्री जी
के कुशल नेतृत्व में
नई ऊंचाइयां छूते
मध्यप्रदेश की ओर से

हार्दिक
मंगलकामनाएं

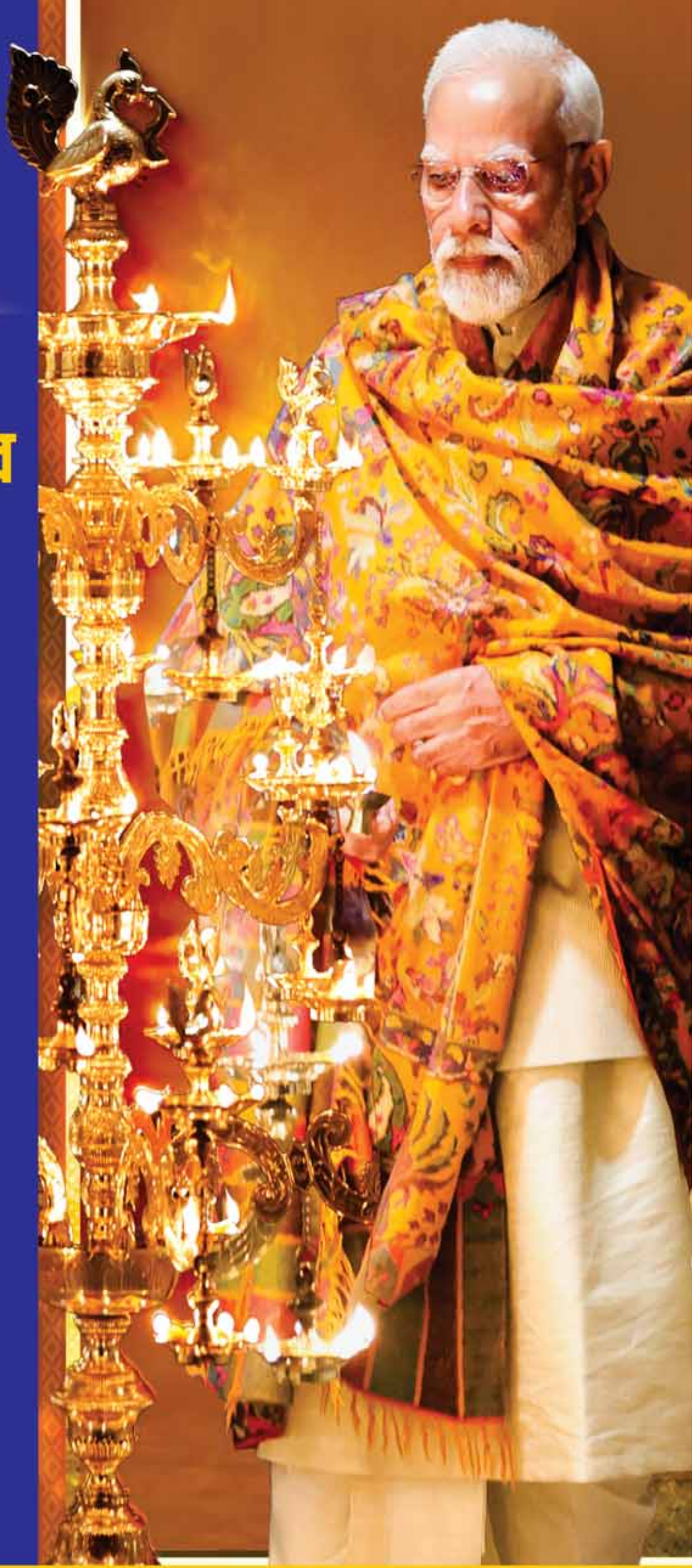

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11116/26

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

अभिकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

भाद्रपद शुक्ल पक्ष 6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 72 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
17 सितंबर 2026
गुरुवार

आज का मौसम
32.4 अधिकतम
23.3 न्यूनतम

Page-7

76वीं सालगिरह पर विशेष

नरेंद्र मोदी के मिजाज को समझना बड़ा मुश्किल काम

भारतीय राजनीति का एक नया अध्याय...

2014 में भाजपा ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपने दम पर बहुमत हासिल किया। 2019 में यह बहुमत और मजबूत हुआ। लेकिन 2024 का जनादेश अलग था। भाजपा 240 सीटों पर रह गई और केंद्र में सरकार बनाने के लिए एनडीए के सहयोगियों पर निर्भर होना पड़ा। विपक्ष ने संविधान और सामाजिक न्याय के सवालों को चुनावी विमर्श का बड़ा हिस्सा बनाया। इसके बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के विधानसभा चुनावों तथा 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की सफलता ने यह दिखाया कि मोदी-शाह की चुनावी संगठन क्षमता भारतीय राजनीति में अभी भी एक महत्वपूर्ण कारक है। पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 207 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल कांग्रेस 80 सीटों पर रही। लेकिन चुनाव जीतना और शासन चलाना दो अलग-अलग कसौटियां हैं। नोटबंदी से लेकर जीएसटी तक अनेक फैसलों पर व्यापक बहस हुई। कुछ निर्णयों में बदलाव करने पड़े और कुछ के परिणामों को लेकर आज भी अलग-अलग मत हैं। मोदी की राजनीति का एक दूसरा पक्ष यह भी है कि राजनीतिक आवश्यकता महसूस होने पर रणनीति बदलने से वे परहेज नहीं करते। उनके समर्थक इसे परिस्थितियों के अनुरूप निर्णय लेने की क्षमता मान सकते हैं, जबकि आलोचक इसे राजनीतिक रणनीति के रूप में देखते हैं। लेकिन इसे समझने के लिए उनके पूरे राजनीतिक सफर को एक साथ देखना जरूरी है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

नरेंद्र मोदी को समझना हो तो उनके भाषणों से आगे जाना पड़ेगा, उनकी सफलताओं से भी आगे और उनकी आलोचनाओं से भी आगे। उन्हें समझने के लिए उस नरेंद्र मोदी तक लौटना होगा, जिसके पास कभी न प्रधानमंत्री की कुर्सी थी, न मुख्यमंत्री का पद और न सत्ता का वैसा वैभव, जैसा आज उनके आसपास दिखाई देता है। तब उनके पास था संगठन, सूचनाओं को पकड़ने की क्षमता, कार्यकर्ताओं का नेटवर्क, अनुशासन और सबसे बढ़कर - लंबे समय तक इंतजार करने का धैर्य। शायद यही वह नरेंद्र मोदी हैं, जिन्हें समझे बिना आज के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक मिजाज को पूरी तरह समझना संभव नहीं है।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना 76वां जन्मदिन मना रहे हैं। स्वाभाविक है कि देश भर के अखबार उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर लिखेंगे। खबरिया चैनलों पर दिनभर उनके राजनीतिक सफर और उपलब्धियों की चर्चा होगी। भाजपा, भाजपा शासित राज्यों और एनडीए के घटक दलों की सरकारें सेवा और जनभागीदारी से जुड़े अनेक कार्यक्रम करेंगी। लेकिन, जन्मदिन के इस उत्सव और राजनीतिक शोर के बीच एक सवाल अक्सर पीछे छूट जाता है - आखिर नरेंद्र मोदी की राजनीति को चलाने वाला वह सूत्र क्या है, जिसे समझे बिना उनकी राजनीतिक यात्रा को समझना अधूरा रह जाता है? मोदी को समझने में केवल उनके विरोधी ही नहीं, कई बार उनकी अपनी पार्टी के लोग भी चूकते रहे हैं। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की राजनीतिक सोच कई बार वहां से शुरू होती दिखाई देती है, जहां उनके विरोधी अपनी रणनीति समाप्त कर चुके होते हैं। तत्काल प्रतिक्रिया देने के बजाय लंबी राजनीतिक पारी को ध्यान में रखकर चाल चलना उनकी राजनीति की एक खासियत रही है। इसलिए मोदी को समझने के लिए प्रधानमंत्री बनने के बाद के उनके सफर से कहीं पहले, भाजपा संगठन में बिताए लगभग ढाई दशक को देखना होगा।

एक पत्रकार के रूप में 1998 के विधानसभा चुनाव के दौरान मध्यप्रदेश के प्रभारी महासचिव के रूप में नरेंद्र मोदी की कार्यशैली को नजदीक से देखने का अवसर मुझे मिला था। वह भाजपा के लिए आसान दौर नहीं था। सुंदरलाल पटवा और कैलाश जोशी जैसे दिग्गज नेताओं के प्रभाव वाले अलग-अलग खेमे थे। कुशाभाऊ ठाकरे और प्यारेलाल खंडेलवाल जैसे संगठन के बड़े चेहरे थे। विक्रम वर्मा नेता प्रतिपक्ष थे, तो बाबूलाल गौर, डॉ. गौरीशंकर शेजवार, शिवराज सिंह चौहान, ब्रजमोहन अग्रवाल और कैलाश विजयवर्गीय जैसे अनेक नेता सक्रिय राजनीति में अपनी जगह बना रहे थे। ऐसे समय में नरेंद्र मोदी प्रदेश प्रभारी बनकर मध्यप्रदेश आए। कांग्रेस से चुनावी मुकाबला अपनी जगह था, लेकिन उससे पहले चुनौती अपने संगठन को साधने की थी। गुटबाजी की गहराई इतनी थी कि भाजपा मुख्यालय में उनके बैठने तक की स्थायी जगह नहीं थी।

एनेक्सी की पहली मंजिल पर वकील विलास बुचके ने एक किराए के कमरे में उनके बैठने की व्यवस्था की। वहां कूलर लगाया गया। लेकिन मोदी की पहली मांग एयरकंडीशनर की नहीं, कंप्यूटर की थी। शैलेंद्र प्रधान ने उन्हें कंप्यूटर उपलब्ध कराया। आज यह घटना मामूली लग सकती है, लेकिन 1998 में किसी राजनीतिक संगठन के प्रभारी की पहली प्राथमिकताओं में कंप्यूटर का होना उनकी कार्यशैली और बदलते समय को पहचानने की क्षमता का संकेत था। वह संगठन को केवल बैठकों, भाषणों और कार्यकर्ताओं के भरोसे नहीं चलाना चाहते थे; वे सूचना, संपर्क और व्यवस्थित नेटवर्क को भी संगठन की ताकत बनाना चाहते थे।

एक और छोटा-सा प्रसंग मुझे आज भी याद है। मोदी एक बार भोपाल आए। भाजपा कार्यकर्ता शैलेंद्र अग्रवाल स्कूटर लेकर उन्हें विमानतल से लेने पहुंचे। मोदी ने उनके साथ बैठने से यह कहकर इनकार कर दिया कि शैलेंद्र ने हेलमेट नहीं पहना है। बाद में अनिल चावला कार लेकर उन्हें लेने पहुंचे। घटना छोटी थी, लेकिन नियम और अनुशासन को लेकर मोदी के आग्रह को समझने के लिए काफी थी। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि यही संगठनकर्ता आगे चलकर देश की राजनीति में निर्णय लेने की ऐसी शैली विकसित करेगा, जिसमें अनुशासन, नियंत्रण और समय, तीनों का इस्तेमाल एक साथ दिखाई देगा। मध्यप्रदेश के अनेक शहरों में मोदी ने नेताओं और कार्यकर्ताओं का नेटवर्क खड़ा किया। लेकिन भाजपा की गुटबाजी को उसे पूरी तरह खत्म करना आसान नहीं था। कांग्रेस फिर सत्ता में आई और दिग्विजय सिंह मुख्यमंत्री बने रहे। मध्यप्रदेश के विभाजन के बाद भी मोदी ने प्रदेश संगठन में अपना काम जारी रखा।

फिर 2001 में अचानक उन्हें गुजरात का मुख्यमंत्री बना दिया गया। गुजरात में भी भाजपा के सामने कई चुनौतियां थीं। इसके बाद गोधरा कांड और उसके बाद हुई हिंसा ने मोदी के राजनीतिक जीवन को निर्णायक रूप से प्रभावित किया। उनकी सरकार की भूमिका को लेकर राजनीतिक और न्यायिक बहस लंबे समय तक चली और उसके अलग-अलग राजनीतिक मूल्यांकन आज भी मौजूद हैं। लेकिन इसी दौर के बाद नरेंद्र मोदी गुजरात से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आते गए। मोदी और अमित शाह यूपीए सरकार के साथ तीखे राजनीतिक टकराव में आए। आरोप लगे, जांच हुई और विवाद चले। लेकिन मोदी की राजनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू यहां भी दिखाई दिया। वे हर विवाद का जवाब तत्काल बयानबाजी से देने के बजाय अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में लगे रहे। आलोचना का जवाब तत्काल प्रतिक्रिया से नहीं, समय और राजनीतिक परिणाम से देना, यह उनकी राजनीति की एक महत्वपूर्ण विशेषता रही है।

2009 में भाजपा ने लालकृष्ण आडवाणी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था। उस समय मेरा मत था कि नरेंद्र मोदी ही भाजपा को लोकसभा में दो सौ के पार ले जाने की क्षमता रखते हैं। लेकिन पार्टी ने आडवाणी जी के लंबे राजनीतिक योगदान और पार्टी के प्रति उनकी सेवाओं को देखते हुए उन्हीं पर दांव लगाया। जिन्ना की मजार पर उनके जाने से पैदा हुआ विवाद भी उस समय भाजपा की राजनीति पर गहरा असर डाल चुका था। 2009 का परिणाम उस रणनीति के अनुरूप नहीं आया जिसकी पार्टी ने उम्मीद की थी। इसके बाद भाजपा के भीतर नेतृत्व को लेकर अंतर्विरोध बढ़े। अंततः 2013 में गोवा अधिवेशन के दौरान नरेंद्र मोदी को 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिली।

आक्रामकता के साथ-साथ उनके धैर्य को भी पढ़ना होगा...

मोदी को समझना है तो गुजरात को समझना होगा। गुजरात को समझना है तो भाजपा संगठन को समझना होगा। और भाजपा संगठन को समझना है तो उस दौर के नरेंद्र मोदी को देखना होगा, जब उनके पास न प्रधानमंत्री पद था और न मुख्यमंत्री की कुर्सी। उनके पास था - संगठन, अनुशासन, नेटवर्क बनाने की क्षमता और लंबे समय तक इंतजार करने का धैर्य। शायद यही वह हिस्सा है, जो आज के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समझने में सबसे ज्यादा मदद करता है। उनकी आक्रामकता के साथ उनके धैर्य को पढ़ना होगा। उनकी सफलताओं के साथ उनकी राजनीतिक चूकों को भी देखना होगा। उनके भाषणों के साथ उनकी चुप्पियों को भी समझना होगा। उनकी सार्वजनिक छवि के साथ उस संगठनकर्ता को भी देखना होगा, जिसने दशकों तक सत्ता के केंद्र से बाहर रहकर अपना राजनीतिक आधार तैयार किया। मैंने नरेंद्र मोदी को पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि भाजपा के एक संगठनकर्ता के रूप में करीब से काम करते हुए देखा था। शायद इसी वजह से आज जब उनके व्यक्तित्व और राजनीति को लेकर तरह-तरह के निष्कर्ष सामने आते हैं, तो मुझे लगता है कि मोदी को समझने के लिए केवल आज को देखना पर्याप्त नहीं है। उनकी राजनीति को समझने के लिए पीछे लौटना पड़ेगा- उस छोटे-से कमरे तक, जहां 1998 में एक प्रदेश प्रभारी के पास स्थायी दफ्तर तक नहीं था, लेकिन उसकी पहली मांग कंप्यूटर थी। वहां से लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय तक की यात्रा केवल सत्ता की यात्रा नहीं है। यह संगठन, समय, धैर्य, रणनीति और राजनीतिक अवसरों को पहचानने की यात्रा भी है।

इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समझना इतना आसान नहीं है। मोदी जी के मिजाज को समझने की पहली शर्त यही है कि उन्हें केवल प्रधानमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि उस संगठनकर्ता नरेंद्र मोदी के रूप में भी देखा जाए, जिसे मैंने करीब से काम करते हुए देखा है।

अमेरिकी संसद में बिल पास ... रूस से तेल खरीदी पर 100 फीसदी टैरिफ का रास्ता साफ

ट्रम्प के टैरिफ दबाव पर भारत की दो टूक, देश के हितों से समझौता नहीं

- भारत अपनी जरूरत का 40 फ़ीसदी से ज्यादा क्रूड ऑयल रूस से खरीद रहा

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अब भारत पर 100 फ़ीसदी तक टैरिफ लगा सकते हैं। इससे संबंधित बिल अमेरिकी संसद में पास हो गया है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का 40 फ़ीसदी से ज्यादा क्रूड ऑयल रूस से खरीद रहा है, इसलिए उस पर इस टैरिफ का खतरा है। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने बुधवार को रूस से ज्यादा तेल खरीदने वाले 5 देशों पर 100 फ़ीसदी तक टैरिफ लगाने वाला बिल पास कर दिया। पक्ष में 262 और विरोध में 159 वोट पड़े। सीनेट पहले ही अगस्त में इसे 86-11 वोट से पास कर चुकी है।

राष्ट्रपति ट्रम्प के साइन करते ही यह कानून बन जाएगा। इसे आधिकारिक तौर पर 'लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' नाम दिया गया है। इस बिल में रूस के तेल और रक्षा से जुड़े कारोबार पर कड़े प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है।अमेरिका पहले भी रूस पर ऐसे प्रतिबंध लगाने की कोशिश कर चुका है। लेकिन ईरान युद्ध के दौरान होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से तेल की सप्लाई पर असर पड़ा और दुनिया में तेल की कमी का डर बढ़ गया। इसके बाद अमेरिकी सरकार को रूस के तेल की बिक्री पर कुछ समय के लिए लगी पाबंदियों में छूट देनी पड़ी थी । रूस से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने वाले 5 देशों की अमेरिकी लिस्ट में चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान शामिल हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि हर 180 दिन में इस लिस्ट का आकलन करेंगे। अमेरिका की तरफ से 100 प्रतिशत टैरिफ पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अपने हितों से समझौता नहीं करेगा।

उल्लेखनीय हैं कि यूक्रेन-रूस युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना तेजी से बढ़ाया। 2022-23 में रूस भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया। युद्ध से पहले भारत रूस से बहुत कम तेल खरीदता था, लेकिन बाद में यह बढ़कर रोजाना करीब 16 से 20 लाख बैरल तक पहुंच गया।

निर्यात बिल पर असर और महंगा ईंधन

इस बिल के क़ानून बनने पर भी अगर भारत अपने रुख पर कायम रहा तो अमेरिका के 100 फ़ीसदी टैरिफ का सीधा असर निर्यात बिल पर पड़ सकता है। इससे भारतीय सामान अमेरिका में महंगा हो जाएगा। अमेरिकी खरीदार सस्ता विकल्प ढूंढेंगे, जैसे बांग्लादेश, वियतनाम, मैक्सिको, चीन। नतीजतन भारत के टेक्सटाइल, जेम्स-ज्वेलरी, इंजीनियरिंग गुड्स, लेदर, समुद्री उत्पाद, केमिकल्स समेत कई चीजों के ऑर्डर घट जाएंगे। भारत अगर रूस को छोड़कर दूसरे देशों से तेल खरीदे तो यह महंगा पड़ सकता है, जिससे भारत में पेट्रोल-डीजल महंगा हो होने की आशंका रहेगी।

सेमीकॉन इंडियाः मोदी बोले- भारत विकास के रास्ते पर दौड़ रहा है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब भारत के प्लांट से चिप निकलकर दुनिया तक पहुंचना शुरू हुआ है। पीएम ने कहा कि इतने कम समय में किसी भी देश के लिए ये करना आसान नहीं है, लेकिन भारत ने यह उपलब्धी हासिल की। मोदी ने इंडस्ट्री लीडर्स को देश की नींव बताया और कहा की आप हमारे पार्टनर हैं। भारत विकास के रास्ते पर दौड़ रहा है।

भारत के सेमीकंडक्टर मिशन को आगे बढ़ाने वाले बड़े आयोजनों में से एक सेमीकॉन इंडिया 2026 का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के यशोभूमि में उद्घाटन किया। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में दुनिया भर की सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री एक मंच पर जुटी है। इस दौरान पीएम मोदी ने यशोभूमि में युवाओं से भारत के सेमीकंडक्टर मिशन पर संवाद किया। इस कार्यक्रम में 52 देशों से 600 से ज्यादा कंपनियां शामिल हो रही हैं।

उज्जैन में आज ऐतिहासिक दीपोत्सव

नितिन नबीन जलाएंगे 'आशीर्वाद का दीया' 25 लाख दीपों से सजेगा शिप्रा तट

उज्जैन / भोपाल, एजेंसी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन आज पहली बार मध्य प्रदेश की यात्रा पर उज्जैन आ रहे हैं। उनका यह दौरा सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित हो रहे भव्य दीपोत्सव के लिहाज से खास है। वे रामघाट पहुंचकर मां शिप्रा की आरती में शामिल होंगे और 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव की शुरुआत करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी उनके साथ मौजूद रहेंगे। मिली जानकारी के अनुसार शाम 7 बजे सायरन बजते ही रामघाट, नृसिंह घाट, महाकाल लोक और कार्तिक मेला मैदान सहित आठ सेक्टरों में एक साथ 25 लाख से अधिक दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे।

प्रशासन ने 30 लाख दीप जलाने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल एक साथ 26 लाख 17 हजार 215 दीप जलाने का विश्व रिकॉर्ड अयोध्या के नाम है। यदि उज्जैन में 30 लाख दीप प्रज्ज्वलित होते हैं तो यह रिकॉर्ड महाकाल की नगरी के नाम हो जाएगा। दीपोत्सव का बड़ा आकर्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विशाल आकृति होगी। कार्तिक मेला मैदान के पास 50 हजार वर्गफीट में क्षेत्र में 5 लाख दीपों से पीएम मोदी का चित्र बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेश के नागरिकों से भी अपने अपने स्थान पर दीप जलाकर दीपोत्सव में शामिल होने की अपील की है।

50 लाख से ज्यादा लोगों को मिलेगी फ्री रजिस्ट्री

इंदौर। ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी भूमि पर बने मकानों और अन्य निजी संपत्तियों को कानूनी अधिकार देने की दिशा में मप्र सरकार आज से बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा-संकल्प अभियान के साथ स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 शुरू होगी। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर से योजना का प्रदेशव्यापी शुभारंभ करेंगे। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि के रहवासियों की करीब 50 लाख निजी संपत्तियों की रजिस्ट्री निःशुल्क की जाएगी। पंजीयन के लिए हितग्राहियों से स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क नहीं लिया जाएगा।

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर विशेष...

नरेन्द्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में ढाई दशक की गौरवपूर्ण यात्रा पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विशेष लेख। देखें पेज-6...

आज का कार्टून

सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में 2 आतंकियों का एनकाउंटर

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में बुधवार रात सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर यह कार्रवाई की। जिले के मजालता इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी।

सूत्रों के मुताबिक, दोनों आतंकियों के पाकिस्तानी होने और कश्मीर टाइगर्स या जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की आशंका है। उनकी पहचान और संगठन की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। जम्मू-कश्मीर में इस साल अब तक 15 आतंकी घटनाएं हुई हैं। इनमें 15 आतंकी मारे गए, जबकि 2 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। वहीं 3 नागरिकों की भी मौत हुई। उधमपुर में दो बार सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एनकाउंटर हुआ। उधमपुर का मजालता इलाका घने जंगल और पहाड़ी भूभाग वाला है। सुरक्षा एजेंसियों को पिछले कुछ दिनों से ब्रेटल-खुब्बन बेल्ट और आसपास के जंगलों में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसके बाद इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई थी।

पिता ने मांगा हर्जाना

दिशा की मौत मामले में आदित्य ठाकरे को 500 करोड़ का नोटिस

मुंबई, एजेंसी

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियन की मौत के मामले में 500 करोड़ रुपये का कानूनी नोटिस भेजा गया है।

दिशा के पिता सतीश सालियन ने शिवसेना (UBT) नेता आदित्य ठाकरे और एनसीपी (SP) नेता अनिल देशमुख से 500 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग की है।

नोटिस में आरोप लगाया गया है कि दोनों नेताओं ने सतीश सालियन की न्याय की लड़ाई को राजनीति से प्रेरित दिखाने की कोशिश की। 28 साल की दिशा सालियन की मौत मुंबई के मलाड इलाके में एक ऊंची रिहायशी इमारत से गिरने के कारण हुई थी। नोटिस में आदित्य ठाकरे पर सतीश सालियन के इरादों पर सवाल उठाने और न्याय के लिए उनके संघर्ष को राजनीति से प्रेरित, दुर्भावनापूर्ण और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के छिपे हुए मकसद से किया गया बताने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है।

दो राज्यों का मोस्ट वांटेड

2.20 करोड़ के इनामी माओवादी नेता मंडल ने किया आत्मसमर्पण

रांची, एजेंसी

झारखंड और ओडिशा में कुल 2.20 करोड़ रुपये के इनामी भाकपा (माओवादी) केंद्रीय कमेटी सदस्य असीम मंडल उर्फ आकाश ने बंगाल में आत्मसमर्पण कर दिया है। असीम मंडल पर झारखंड सरकार ने एक करोड़ रुपये और ओडिशा सरकार ने 1.20 करोड़ रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

झारखंड पुलिस के आधिकारिक सूत्रों ने असीम के आत्मसमर्पण की पुष्टि की है। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले के चंद्रकोना थाना क्षेत्र के उत्तर फुलचुक गांव निवासी असीम मंडल संगठन में आकाश, तिमिर, मनोज, दीपक और राकेश जैसे नामों से भी जाना जाता है। सुरक्षा बलों के रिकॉर्ड के मुताबिक, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में उसके खिलाफ करीब 55 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

असीम मंडल के खिलाफ झारखंड में सुरक्षाबलों पर हमले और मुठभेड़ से जुड़े कई मामले दर्ज हैं। इनमें 1 मार्च 2026 को चाईबासा के छोटानागरा थाना क्षेत्र के मारंगपोंगा में हुई मुठभेड़ का मामला भी शामिल है।

पंडालों में आस्था का सैलाब..बप्पा की भव्य झांकियां मोह रहीं मन

भोपाल। राजधानी में गणेश उत्सव का उल्लास अब चरम पर पहुंचने लगा है। प्रमुख चौराहों, कॉलोनियों और बाजारों में आकर्षक गणेश प्रतिमाएं विराजमान हैं। पंडाल, रंग-बिरंगी रोशनी व मनमोहक झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। सुबह से देर रात तक बप्पा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

एमपी नगर जोन-2 में भगवान श्रीराम के स्वरूप में सजे गणेश जी की प्रतिमा आकर्षण बनी हुई है। करोंद पीपल चौराहे पर भव्य पंडाल और झांकी के साथ गणपति का स्वागत किया गया है। 7 नंबर चौराहे पर सजी आकर्षक झांकी भी लोगों का ध्यान खींच रही है। प्रदेश भाजपा कार्यालय के सामने गणेश जी को शेर के साथ विराजमान किया गया है। शाम होते ही पंडालों में रोशनी की जगमगाहट देखते ही बन रही है।

बसखेड़ी चौराहा, रोहित नगर और 12 नंबर स्थित प्रधानमंत्री आवास चौराहे पर भी भव्य गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। पंडालों में सुबह-शाम आरती और धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह है। आने वाले दिनों में समितियों द्वारा धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

भोज वेटलैंड में कब्जे पर एनजीटी की टिप्पणी...

'जिन्हें सुरक्षा का जिम्मा, वे ही लापरवाह, सरकारी भूमि पर कब्जा लूट जैसा'

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोज वेटलैंड एवं भोपाल के जल निकायों में अतिक्रमण और अवैध निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण मामले में नेशनल ग्रीन ट्रूब्नल ने गंभीर टिप्पणी की है। पीठ ने कहा कि जिने के ऊपर सुरक्षा का जिम्मा है, वे ही लापरवाह बने हुए हैं। साथ ही एनजीटी ने कहा कि सरकारी जमीन पर कब्जा एक तरह से लूट और डकैती जैसा है। पर्यावरणविद् राशिद नूर की याचिका पर सुनवाई करते हुए ट्रिब्यूनल अपने आदेश में शासकीय भूमि पर होने वाले अतिक्रमण को अत्यंत गंभीर विषय बताया। ट्रिब्यूनल ने कहा, सरकारी जमीन पर अतिक्रमण की स्थिति इसलिए और गंभीर है, क्योंकि इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों एवं प्रशासनिक तंत्र की होती है। अधिकरण ने इस बात पर भी चिंता व्यक्त की कि अधिकारियों की निष्क्रियता एवं लापरवाही के कारण अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण को बढ़ावा मिल सकता है।

आदेश में यह भी कहा गया कि शासकीय भूमि किसी व्यक्ति अथवा अधिकारी की पैतृक संपत्ति नहीं है, जिस पर अवैध बस्तियों या अवैध निर्माण को मनमाने ढंग से अनुमति दी जा सके। अधिकरण ने आदेश में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि शासकीय भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को नियमित नहीं किया जा सकता। साथ ही यह भी रेखांकित किया कि अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण के मामलों में केवल अतिक्रमण करने वाले व्यक्तियों पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जिन अधिकारियों या तंत्र की निष्क्रियता/लापरवाही से अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण संभव होता है, उनकी जवाबदेही निर्धारित किया जाना भी आवश्यक है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दी एक्शन टेकन रिपोर्ट

प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड ने एक्शन टेकन रिपोर्ट दी। बोर्ड की ओर से विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा गया। अधिकरण ने निर्देश दिया कि विस्तृत रिपोर्ट आगामी सुनवाई की तारीख से पूर्व तैयार कर अधिकरण के समक्ष प्रस्तुत की जाए। अधिकरण ने अगली सुनवाई के लिए 6 अक्टूबर की तारीख तय की।

न्यूज विंडो

हनुमानगंज में शादी का झांसा देकर किया शोषण, केस दर्ज

भोपाल। हनुमानगंज थाना क्षेत्र में महिला को शादी का झांसा देकर करीब डेढ़ साल तक शारीरिक शोषण करने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार एमपी नगर क्षेत्र में रहने वाली महिला एक अस्पताल में काम करती है। वर्ष 2025 में अस्पताल में उसकी पहचान टीला जमालपुरा निवासी हरीश रैकवार से हुई थी। आरोपी से शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में शादी से इंकार कर दिया।

भोपाल जंक्शन पर आउटर पर दो ट्रेनों में मोबाइल झपटे

भोपाल। भोपाल जंक्शन के आउटर पर चलती ट्रेनों में यात्रियों से मोबाइल झपटने की दो घटनाएं सामने आई हैं। शाजापुर जिले के निवासी अरमान सिंह सोमवार को नर्मदा एक्सप्रेस के जनरल कोच में सफर कर रहे थे। ट्रेन आउटर पर पहुंची तभी एक व्यक्ति ने उनका मोबाइल झपटकर ट्रेन से भाग गया। दूसरी घटना क्षिप्रा एक्सप्रेस के जनरल कोच में हुई। चोर राजगढ़ निवासी दिवेश दीक्षित का मोबाइल छीन ले गया।

एमपी नगर में गैस सिलेंडर चोरी के मामले में चार गिरफ्तार

भोपाल। एमपी नगर पुलिस ने घरेलू गैस सिलेंडर चोरी मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जोन-2 एमपी नगर निवासी जनार्दन सिंह ने 13 सितंबर को घरेलू गैस सिलेंडर चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच के बाद राकेश कोरी, विजय खिल्लार, शेख अकील और अजय कुमार को हिरासत लिया। पूछताछ में अन्य वारदातों का भी पता चला है।

ऐशबाग में नवविवाहिता ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। ऐशबाग में नवविवाहिता की घर में फांसी लगाने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार बड़ा चंबल निवासी अलिशा पति दिलावर खान (23) की तीन साल पहले शादी हुई थी। मंगलवार दोपहर उसने अपने घर में फांसी लगा ली। महिला की शादी को तीन साल ही हुए हैं, इसलिए मामले की जांच एसीपी स्तर से की जाएगी।

फाइनेंस कंपनी की करतूतः 2.25 करोड़ में नीलामी, रजिस्ट्री के 10 माह बाद खुला राज

होटल निसर्ग के मालिक के परिवार की संपत्ति बंधक बता नीलाम की

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस के अधिकारियों पर केस दर्ज

पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने होटल निसर्ग के मालिक और उनके परिवार की संपत्ति को अपने पास बंधक बताकर 2.25 करोड़ रुपए में नीलाम कर दी। लेकिन रजिस्ट्री होने के बाद बाद संपत्ति के मालिकाना हक को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। खरीदार ने आरोप लगाया है कि वित्तीय संस्था ने ऐसी संपत्ति नीलाम कर दी, जो उसके पास बंधक ही नहीं थी। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने कंपनी समेत 4 लोगों पर धोखाधड़ी और जालसाजी की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

टीआई जय हिन्द शर्मा ने बताया, फेस-2, रिवेरा टाउनशिप निवासी शिकायतकर्ता मनेंद्र प्रताप सिंह (45) कारोबारी हैं। उन्होंने बताया, उन्हें 9 मार्च 2025 को प्रकाशित विज्ञापन से आकांक्षा कॉम्प्लेक्स, प्रेस कॉम्प्लेक्स, महाराणा प्रताप नगर जोन-1 स्थित संपत्ति की नीलामी की सूचना मिली। संपत्ति प्लॉट-2 के भूतल पर बने ऑफिस जी-5, जी-6, जी-7, जी-8, जी-9, जी-11 और जी-12 थे। मनेंद्र के अनुसार पिरामल कैपिटल के अधिकारियों ने बताया कि संपत्ति संस्था के पास बंधक है। लोन न चुकाने पर नीलामी की जा रही है। एजेंट ने उन्हें संपत्ति दिखाई व दस्तावेजों की जांच होने व संस्था के पास बिक्री अधिकार होने का भरोसा दिलाया।

मौके पर पहुंचे तो कब्जा मिला

मनेंद्र ने पुलिस को बताया उन्होंने 2 करोड़ 25 लाख 40 हजार की बोली लगाई, जिसे 26 मार्च 2025 को स्वीकार कर लिया गया। भुगतान के बाद 28 मार्च को सेल सर्टिफिकेट जारी हुआ। 1 अप्रैल-25 को उसके नाम रजिस्ट्री हो गई। 1 मई 2025 को कोर्ट के आदेश पर तहसीलदार की मौजूदगी में संपत्ति का कब्जा पिरामल के अधिकृत अधिकारी को सौंपा गया। मनेंद्र ने संपत्ति पर ताला लगाकर कब्जे में रखा। 10 माह बाद 6 मार्च 2026 को मौके पर पहुंचे तो ताला टूटा था। वहां लगे फ्लेक्स में मंजू गुप्ता, रेनू गुप्ता, अर्चना गुप्ता को मालिक बताया गया। वहां दर्ज नंबर पर बात की तो अनिल गुप्ता ने खुद को रेनू का पति बता संपत्ति उक्त महिलाओं की बताई। ये महिलाएं एमपी नगर स्थित होटल निसर्ग के मालिक के परिवार की सदस्य हैं।

फाइनेंस कंपनी पर लगाया गंभीर आरोप

शिकायतकर्ता ने पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के अधिकारियों पर आरोप लगाया कि उन्हें ऐसी संपत्ति बेची गई, जिस पर कंपनी का अधिकार नहीं था। कंपनी के तत्कालीन प्राधिकृत अधिकारी विशवेश चंदेल, अधिकृत अधिकारी प्रतिनिधि सुशील वैश्य व फील्ड एजेंट अभय समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है।

इधर, फर्जी दान पत्र से पत्नी की जमीन हड़पी

इधर, जहांगीराबाद इलाके की एक महिला ने अपने पति पर धोखाधड़ी कर उसकी कृषि भूमि का गिफ्ट डीड अपने नाम कराने का गंभीर आरोप लगाया है। शिकायत के मुताबिक, महिला के पास बैरसिया तहसील में करीब 0.4000 हेक्टेयर कृषि भूमि है। महिला का आरोप है, पति ने यह कहकर उसका भरोसा जीता कि वह अपनी खुद की जमीन उसके नाम ट्रांसफर करेगा। इसके बाद 3 अगस्त को वह उसे अशोका गार्डन स्थित एक सर्विस प्रोवाइडर के कार्यालय ले गया, जहाँ उससे कहा गया कि जमीन उसके नाम ट्रांसफर की जा रही है। इस बात पर भरोसा करते हुए महिला ने बायोमेट्रिक-रजिस्ट्रेशन की सभी औपचारिकताएं पूरी कर लीं।

शिकायत के अनुसार, महिला को यह नहीं बताया गया था कि किस जमीन से संबंधित गिफ्ट डीड बन रहा है या वह किसके नाम की जा रही है। आरोप लगाया कि रजिस्ट्रेशन के दौरान उसे जरूरी विवरणों के बारे में बिल्कुल नहीं बताया गया। गिफ्ट डीड 4 अगस्त को रजिस्टर्ड की गई थी, और महिला की कृषि भूमि पर पति के नाम ट्रांसफर कर दी गई।

रेल नीर पूरी तरह सेफ, भोपाल डिवीजन के चारों सैंपल पास

भोपाल। दोपहर मेट्रो

गुणवत्ता को लेकर हाल ही में उठी चिंताओं के बीच पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल डिवीजन ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि रेल नीर के सभी नए नमूनों ने प्रयोगशाला परीक्षण सफलतापूर्वक पास कर लिए हैं और वे खाद्य सुरक्षा मानकों पर पूरी तरह खरे उतरते हैं। यह स्पष्टीकरण पिछले महीने सामने आई उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें जुलाई में एकत्र किया गया रेल नीर का एक सैंपल रूटीन जांच में फेल हो गया था। इसके बाद डिवीजन ने उसी बैच से सैंपलिंग प्रक्रिया को तेज कर दिया था। जांच के लिए कुल चार सैंपल लिए थे। इनमें से दो-दो सैंपल जबलपुर व मंडीदीप स्थित आईआरसीटीसी के रेल नीर प्लांट से लेकर अधिकृत प्रयोगशालाओं में भेजे गए थे। 18 अगस्त और 12 सितंबर को आई परीक्षण रिपोर्टों ने पुष्टि की है कि सभी चारों सैंपल एफएसएसएआई के गुणवत्ता मानकों के अनुकूल हैं। कोई कमी नहीं पाई गई है।

सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि स्टेशनों पर बेचे जाने वाले सभी खाद्य पदार्थों की नियमित रूप से अलग-अलग स्तरों पर निगरानी और जांच की जाती है, तथा किसी भी तरह की अनियमितता मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाती है।

डीसीपी तक पहुंची शिकायत तो तत्काल की कार्रवाई

जिन्हें फर्जी IAS ने लूटा, उन्हें न्याय दिलाने के बजाय उनसे ही ASI-सिपाही ने मांग ली घूस...लाइन अटैच

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में चर्चित फर्जी आईएएस अधिकारी तृप्ति सिंह मामले की जांच कर रही पुलिस खुद कटघरे में खड़ी हो गई है। धोखाधड़ी और ठगी के शिकार पीड़ितों की मदद करने के बजाय उनसे ही रिश्वत मांगने वाले दो पुलिसकर्मियों पर डीसीपी विकास शहवाल ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें लाइन अटैच कर दिया है। बागसेवनिया थाने के एएसआई मनोज शर्मा और हवलदार सुनील राठौर फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह से जुड़े हाई-प्रोफाइल धोखाधड़ी मामले की जांच कर रहे थे। फरियादियों और आरोपियों दोनों से मांग रहे थे रिश्वत

जांच के दौरान यह गंभीर मामला सामने आया कि जिन फरियादियों ने फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह के हाथों अपने लाखों रुपये गंवा दिए थे, एएसआई शर्मा और हवलदार उन्हीं पीड़ितों से काम करने के बदले घूस मांग कर रहे थे। पुलिस कर्मियों द्वारा मामले से जुड़े आरोपियों से सांठगांठ कर रुपए ऐंठने की शिकायतें मिल रही थीं।

इस तरह चला ठगी का धंधा

बागसेवनिया क्षेत्र में रहने वाली तृप्ति सिंह राजपूत खुद को आईएएस अफसर बताकर सरकारी दफ्तरों का निरीक्षण करती थी। वह पुलिस प्रोटोकॉल भी लेती थी। उसने अशोक नगर के कारोबारी को पर्यटन विभाग की होटलों का लीज दिलाने के नाम पर लाखों रुपए ठग लिए थे। मामले में एफआईआर हुई तो बैतूल की दो युवतियों ने भी ठगे जाने की शिकायत की। युवतियों से सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी की गई। इस खेल में तृप्ति का भाई सुधांशु भी शामिल था। अन्य लोग भी पकड़े गए। इसी मामले में पुलिस जांच कर रही थी।

स्टार एयरलाइंस ने मांगा स्लॉट

राजाभोज एयरपोर्ट पर अगले माह विंटर शेड्यूल, भुवनेश्वर की भी उड़ान

भोपाल। राजाभोज एयरपोर्ट पर अगले माह 29 अक्टूबर से विंटर शेड्यूल लागू हो जाएगा। इसमें स्टार एयरलाइंस कंपनी भी भोपाल से उड़ान शुरू कर सकती है। वर्तमान में भोपाल से इंडिगो, एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अलायंस एयर की उड़ानें संचालित की जा रही हैं। कंपनियां इस माह 25 सितंबर तक विंटर शेड्यूल जारी कर सकती हैं और कई उड़ानों के लिए बुकिंग शुरू कर सकती हैं। स्टार एयरलाइंस कंपनी ने भोपाल से भुवनेश्वर के लिए सीधी उड़ान शुरू करने के लिए भोपाल एयरपोर्ट प्रबंधन से स्लॉट मांगा है, वहीं इंडिगो ने भी गोवा की बंद उड़ान को फिर से शुरू करने के लिए स्लॉट मांगा है। अभी भोपाल से रोज 15 उड़ानें संचालित की जा रही हैं। एयरपोर्ट डायरेक्टर आलोक त्रिपाठी का कहना है कि विंटर शेड्यूल के लिए कई उड़ानों के लिए स्लॉट मिले हैं। स्टार एयरलाइंस कम्पनी ने भुवनेश्वर के लिए स्लॉट लिया है वहीं इंडिगो की गोवा उड़ान के लिए भी स्लॉट मांगा गया है।

मेट्रो एंकर | सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब का राष्ट्रीय मीडिया संवाद एवं लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड समारोह

मूल्यों की स्थापना में अपना योगदान दें पत्रकार: तोमर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

वर्तमान परिस्थितियों में जीवन का हर क्षेत्र अवमूल्यन से गुजर रहा है। समय-समय पर लोग प्रयत्न करते हैं कि यह क्षरण रुके और मूल्य स्थापित हों। यह मिली-जुली प्रक्रिया चलती रहती है। इसी के कारण संतुलन बना रहता है। पत्रकारिता सभी को दिशा देने का काम करती है और यह उसकी जिम्मेदारी भी है। पत्रकार विचार करें कि इस दौर में वे कैसे दीवार बनकर अवमूल्यन को रोक सकते हैं और मूल्य की स्थापना में अपना योगदान दे सकते हैं।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने यह आग्रह सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संवाद एवं लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड-2026 समारोह में मुख्य अतिथि के रूप बोलते हुए किया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, सहकारिता एवं खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष रघु ठाकुर, पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेता सुरेश पचौरी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार महेश श्रीवास्तव, एनके सिंह, राजेंद्र शर्मा, विजयदत्त श्रीधर सहित कई पत्रकारों को उनकी सुदीर्घ पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मप्र जनसंपर्क विभाग की कमान संभाल चुके आईएएस अधिकारियों का भी सम्मान हुआ।

ये पत्रकार और अफसर हुए सम्मानित

श्री तोमर ने कहा, जीवन के हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा होती है। जहां प्रतिस्पर्धा है वहां प्रोत्साहन होना चाहिए। पत्रकारिता में भी नई पीढ़ी को समय-समय पर वरिष्ठों के प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। नई पीढ़ी इन्हें देख कर, समझ कर और पढ़कर सशक्त होगी।

कार्यक्रम में सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब के अध्यक्ष विजय कुमार दास, उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिन्हा, मनीष श्रीवास्तव, महासचिव अक्षत शर्मा, समन्वयक राजेश भाटिया आदि उपस्थित थे। जिन पत्रकारों का सम्मान किया गया उनमें लज्जा शंकर हरदेनिया, महेश श्रीवास्तव, एनके सिंह, राजेंद्र शर्मा, विजय दत्त श्रीधर, पंकज पाठक, राजेश सिरोठिया, सुचांदना गुप्ता, रमेश शर्मा, हरि मोहन मोदी, प्रकाश हिंदुस्तानी, ललित शास्त्री, देव श्रीमाली, ह्रदेश दीक्षित, विजय तिवारी, डॉ. सुरेश मेहरोत्रा आदि हैं।

सम्मानित होने वाले आईएएस अफसरों में एसआर मोहंती, अजिता वाजपेई पांडे, डॉ. अमर सिंह, एस. लक्ष्मी नारायण, विमल जुल्का, ओपी रावत, डॉ. राजेश राजौरा, संजय शुक्ला, अनुपम राजन, राघवेंद्र सिंह, एसके मिश्रा, विवेक पोरवाल, संदीप यादव, राकेश श्रीवास्तव, सुदाम खाड़े, दीपक सक्सेना, पी. नरहरि और मनीष सिंह शामिल रहे।

VIP रोड से आवाजाही, भारी वाहन नहीं जाएंगे

आज विश्वकर्मा जयंती, अग्रसेन चौराहा बंद, 3 जगह ट्रैफिक डायवर्ट

भोपाल। विश्वकर्मा जयंती पर सर्व विश्वकर्मा समाज की ओर से 17 सितंबर को अग्रसेन चौराहे पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यातायात पुलिस ने अग्रसेन चौराहे और आसपास के मार्गों पर वाहनों की आवाजाही के लिए डायवर्जन प्लान जारी किया है। कार्यक्रम के दौरान अग्रसेन चौराहे पर मंच बनने के कारण दोनों तरफ से वाहनों का आवागमन बंद रहेगा।

वीआईपी रोड से जाने वालों के लिए : वीआईपी रोड और रेतघाट से कोहेफिजा व रॉयल मार्केट की ओर केवल दोपहिया वाहन और हमीदिया जाने वाले चार पहिया वाहनों को जाने की अनुमति रहेगी। अन्य वाहन वीआईपी रोड से कर्बला, कोहेफिजा व कलेक्ट्रेट होकर जाएंगे।

रॉयल मार्केट से आने वाले वाहन

रॉयल मार्केट से भवानी चौक की ओर जाने वाले वाहन तीन मोहरा, शाहजहांनाबाद तिराहा और भोपाल टॉकीज के रास्ते हुए आ-जा सकेंगे। बसों और व्यावसायिक वाहनों का मार्ग बदलेगा : अग्रसेन चौराहे से भवानी चौक और मोती मस्जिद मार्ग पर चलने वाली यात्री बसों व व्यावसायिक वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक मार्ग से चलाया जाएगा।

कर्म, कौशल और सृजन के प्रेरक भगवान विश्वकर्मा, युवाओं के बने आदर्श

विश्वकर्मा जयंती आज, पूजन-अभिषेक के साथ होंगे विविध आयोजन; इंजीनियरों, कारीगरों और श्रमिकों में उत्साह

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

आज भगवान विश्वकर्मा जयंती आज मनाई जा रही है। इस अवसर पर विश्वकर्मा समाज द्वारा पूजन-अभिषेक के साथ विभिन्न आयोजन हो रहे हैं। भगवान विश्वकर्मा को संसार का पहला शिल्पकार, वास्तुकार और इंजीनियर माना जाता है। यही वजह है कि युवा भी उन्हें अपना आदर्श मानते हुए उनके जीवन और कर्म से प्रेरणा ले रहे हैं।

विश्वकर्मा जयंती पर इंजीनियर, कारीगर, मजदूर और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े लोग अपने औजारों व मशीनों की पूजा करते हैं। मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से कारोबार में तरक्की, कार्यक्षेत्र में सफलता और समृद्धि मिलती है। भक्त बेहतर भविष्य, सुरक्षित कार्यस्थल और उपकरणों के सुचारु संचालन की कामना करते हैं। युवाओं का कहना है कि भगवान विश्वकर्मा केवल निर्माण और शिल्प के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि कर्म, कौशल और

सृजन की प्रेरणा भी देते हैं। आधुनिक दौर में तकनीक और मशीनीकरण बढ़ने के बावजूद बढ़ई, लोहार, कुम्हार, दर्जी, शिल्पी, राजमिस्त्री और स्वर्णकार जैसे पारंपरिक हुनर आज भी महत्वपूर्ण हैं। युवाओं ने विश्वकर्मा जयंती पर इन कौशलों को संरक्षित और समृद्ध करने का संकल्प लेने की बात कही।

रामकुमार विश्वकर्मा ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि सृजन केवल इमारतों और निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर हमें समाज के विकास और सुधार के लिए हमें संदेश मिलता है।

गुड़िया विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा को ब्रह्मांड का दिव्य वास्तुकार और शिल्पकला का देवता माना जाता है। वे निर्माण, कला और तकनीक के प्रतीक माने जाते हैं। उनके प्रति आस्था रखने वाले लोग इस दिन पूजा-अर्चना कर अपने काम में सफलता हासिल करते हैं।

योगिता विश्वकर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा जयंती समाज में श्रम, हुनर और कारीगरी के सम्मान का प्रतीक है। यह इंजीनियरों, कारीगरों, मजदूरों और औद्योगिक श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन लोग अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं।

प्रशांत विश्वकर्मा ने बताया कि विश्वकर्मा जयंती पर इन पारंपरिक कलाओं को संरक्षित करने, नई पीढ़ी को सिखाने और इन्हें समृद्ध बनाने का संकल्प लेना चाहिए। कभी यही कौशल हमारी समृद्धि का आधार रहे हैं।

रिया विश्वकर्मा ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा हमारे आराध्य होने के साथ प्रेरणा के स्रोत भी हैं। विश्वकर्मा जयंती हमें यह संदेश देती है कि ईमानदारी, मेहनत और सर्वजन हित की भावना के साथ किया गया कर्म समाज को आगे बढ़ाता है।

किरन विश्वकर्मा बताया कि भारत की परंपरागत विशेषताओं में गुणग्राहकता और कृतज्ञता का विशेष स्थान रहा है। भगवान विश्वकर्मा ने सृजन और शिल्प की परंपरा को प्रेरणा दी, इसलिए देशभर में उनकी जयंती श्रद्धा के साथ मनाई जाती है।

सोमेश विश्वकर्मा ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा समस्त सृष्टि के लिए सृजन के देवता माने जाते हैं। आज के दौर में वही कर्म सफल होता है, जिसमें तकनीक और कौशल का समावेश हो। बदलते समय के साथ पारंपरिक हुनर को आधुनिक तकनीक से जोड़ना जरूरी है।

महेंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को ब्रह्मांड का दिव्य वास्तुकार और शिल्पकला का देवता माना जाता है। मान्यता है कि इससे कार्यक्षेत्र में सफलता मिलती है। धार्मिक भगवान विश्वकर्मा ने स्वर्ग लोक, द्वारका नगरी और देवताओं के लिए दिव्य निर्माण कार्य किए थे।

न्यूज विंडो

बाल कलाकार सात्विक का फिल्म 'हनुमान अंश' में शानदार अभिनय, हुआ सम्मान

गंजबासौदा। गंजबासौदा के बाल कलाकार सात्विक शर्मा ने फिल्म 'हनुमान अंश' में शानदार अभिनय कर शहर का गौरव बढ़ाया है। नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित इस धार्मिक फिल्म में सात्विक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसे दर्शकों की सराहना मिल रही है। नगर पालिका में आयोजित समारोह में बाल कलाकार सात्विक का पुष्पमाला, शॉल और श्रीफल से सम्मान किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने कहा कि सात्विक ने कम उम्र में बड़े पर्दे पर प्रतिभा दिखाकर शहर को पहचान दिलाई है। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव, अंजली मनोज यादव, मनोज डागा सहित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

मप्र पटवारी संघ ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर सीएम के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

शिवपुरी। मप्र पटवारी संघ के सदस्यों ने बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। संघ ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना के निष्पादन, ई-केवाईसी, पंजीयन और व्यक्तिगत जिम्मेदारी वाले कार्यों से पटवारी संवर्ग को अलग रखने की मांग की। संघ पदाधिकारियों ने बताया कि शासन के आश्वासन के बाद प्रदेशव्यापी हड़ताल तीन महीने के लिए स्थगित की गई थी, लेकिन एक माह बीतने के बाद भी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ। संघ ने 15 सितंबर से उक्त योजना में निष्पादक के कार्य दायित्व से विरत रहने की घोषणा की है। पटवारियों पर दबाव बनाने की स्थिति में प्रदेश स्तर पर कलमबंद आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

गंजबासौदा : सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों पर पुलिस की कार्रवाई

गंजबासौदा। शहर में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बुधवार शाम शहर पुलिस ने सार्वजनिक एवं संवेदनशील स्थानों पर भ्रमण कर कार्रवाई की। थाना प्रभारी संजय वेदियां के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सार्वजनिक स्थानों पर बैठकर शराब पी रहे लोगों को पकड़ा और समझाइश दी। पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध रूप से घूम रहे लोगों से पूछताछ भी की। उन्हें सार्वजनिक स्थलों पर अनावश्यक रूप से नहीं घूमने और शांति व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत देकर रवाना किया गया। पुलिस के अनुसार कार्रवाई का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

धार और तमिलनाडु पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, खैरवा जागीर में दबिश देकर के आभूषण किए बरामद

तमिलनाडु में चोरी हुआ सोना मनावर में मिला 55 लाख के जेवर के साथ शातिर गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

तमिलनाडु में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक वांछित आरोपी को धार पुलिस और तमिलनाडु पुलिस की संयुक्त टीम ने मनावर क्षेत्र के उमरबन से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 385 ग्राम सोने के आभूषण बरामद हुए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 55 लाख रुपए बताई गई है।

तमिलनाडु के कायथर थाना, जिला तुथुकुडी और बतलगुंडू थाना, जिला डिंडीगुल में दर्ज चोरी के मामलों की जांच के दौरान वहां की पुलिस आरोपी की तलाश में धार पहुंची थी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक धार सचिन शर्मा के निर्देशन में मनावर पुलिस ने विशेष टीम गठित कर तमिलनाडु पुलिस के साथ कार्रवाई की। संयुक्त टीम ने ग्राम खैरवा जागीर, उमरबन में दबिश देकर वांछित आरोपी मकसूद पिता जामगीर खान को गिरफ्तार किया। पूछताछ और आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए 385 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए। जब्त मशरूका की कीमत करीब 55 लाख रुपए आंकी गई है। बरामद सोने को तमिलनाडु पुलिस को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए सौंपने की प्रक्रिया की जा रही है।

385 ग्राम सोना बरामद, पुलिस टीम होगी पुरस्कृत

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर 385 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए हैं। बरामद सोने की अनुमानित कीमत करीब 55 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार यह मशरूका तमिलनाडु में दर्ज चोरी के मामलों से संबंधित है। जब्त आभूषणों को तमिलनाडु पुलिस को अग्रिम कार्रवाई के लिए सौंपने की प्रक्रिया चल रही है। कार्रवाई में मनावर थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव, उमरबन चौकी प्रभारी प्रकाश अलावा, प्रधान आरक्षक राजेश चौहान, जितेंद्र मांडवी और आरक्षक गंगाराम बघेल का विशेष योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने संयुक्त कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

कार्रवाई में मनावर थाना प्रभारी राजेश यादव, उमरबन चौकी प्रभारी प्रकाश अलावा सहित पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एसपी सचिन शर्मा ने टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

तमिलनाडु के दो जिलों में दर्ज चोरी के मामलों की जांच के दौरान वहां की पुलिस आरोपी की तलाश में धार जिले के मनावर क्षेत्र पहुंची थी। तमिलनाडु पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर मनावर पुलिस ने विशेष टीम गठित की। संयुक्त टीम ने ग्राम खैरवा जागीर, उमरबन में दबिश देकर वांछित आरोपी मकसूद पिता जामगीर खान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी दूसरे राज्यों में चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उससे पूछताछ की और उसकी निशानदेही पर चोरी के सोने के आभूषण बरामद किए। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई तमिलनाडु पुलिस द्वारा की जा रही है।

24 घंटे में चोरी की तीन बाइक बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

धार। राजगढ़ पुलिस ने नया बस स्टैंड से चोरी हुई तीन मोटरसाइकिलें 24 घंटे के भीतर बरामद कर वाहन चोरी का खुलासा किया है। पुलिस ने एक मुख्य आरोपी दिनेश पिता डूंगर सिंह तड़वला निवासी फरटेडी, झाबुआ को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को अभिरक्षा में लिया गया। बरामद तीनों मोटरसाइकिलों की कुल कीमत करीब 2.25 लाख रुपए है। 15 सितंबर को श्रीमाया होटल के सामने से तीन बाइक चोरी होने की सूचना पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली। फुटेज और मुखबिर तंत्र के आधार पर पुलिस ने आरोपी और बाल अपचारी को दो बाइक के साथ पकड़ा।

वन विभाग ने किया रेस्क्यू

पटरिया नाले में दिखा छह फीट लंबा मगरमच्छ

तेन्दूखेड़ा/तेजगढ़। वन परिक्षेत्र तेजगढ़ के अंतर्गत ग्राम पटरिया के नाले में बुधवार सुबह करीब छह फीट लंबा मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सुबह करीब 7 बजे मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़ लिया। रेस्क्यू के बाद उसे वन परिक्षेत्र कार्यालय परिसर तेजगढ़ में सुरक्षित रखा गया है। वन विभाग द्वारा मगरमच्छ का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। इसके बाद उसे उपयुक्त जलाशय में सुरक्षित छोड़े जाने की बात कही गई है। रेस्क्यू अभियान में बीट गार्ड कमलेश राय, अफजल खान, पप्पू खान, रवि रैकवार और सुरक्षा श्रमिक पंचम सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन परिक्षेत्र अधिकारी अखिलेश चौरसिया ने बताया कि मगरमच्छ की निगरानी की जा रही है। वहीं, नाले में इतना बड़ा मगरमच्छ कहां से पहुंचा, इसे लेकर ग्रामीणों में चर्चा बनी हुई है।

महिला-बाल सुरक्षा पर पुलिस को मिला संवेदनशीलता, त्वरित कार्रवाई का पाठ

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में पुलिस की कार्रवाई संवेदनशील और त्वरित हो, इसे लेकर बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम में 'महिला एवं बाल सुरक्षा' विषय पर विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा थोटा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को महिला एवं बाल अधिकारों के संरक्षण तथा अपराधों पर तत्काल कार्रवाई के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में विशेष किशोर पुलिस इकाई, बाल कल्याण समिति और सखी वन स्टॉप सेंटर की भूमिका और पुलिस के साथ समन्वय पर चर्चा हुई। किशोर न्याय प्रक्रिया, बच्चों के पुनर्वास एवं संरक्षण तथा संकटग्रस्त महिलाओं को एक ही स्थान पर सहायता, सुरक्षा और न्याय उपलब्ध कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने पुलिसकर्मियों से हर बच्चे के सुरक्षित बचपन और हर महिला के सम्मान व सुरक्षित जीवन के संकल्प को धरातल पर उतारने की अपील की। महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर काम करने पर भी जोर दिया गया। कार्यशाला में एएसपी अभिषेक राजन सहित पुलिस अधिकारी, बाल कल्याण समिति, बाल संरक्षण अधिकारी, सखी वन स्टॉप सेंटर और विभिन्न थानों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

51 हजार दीपों से आज जगमगाएगा नर्मदा तट, महाआरती के साथ होगा दीपोत्सव

सुबह सेठानी, पर्यटन और विवेकानंद घाट पर चला स्वच्छता अभियान

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

सेवा संकल्प अभियान के तहत आज सुबह मां नर्मदा के प्रमुख घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। सेठानी, पर्यटन और विवेकानंद घाट सहित अन्य स्थानों पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने श्रमदान कर कचरा हटाया। इस दौरान लोगों से नर्मदा तट को स्वच्छ बनाए रखने की अपील की गई। शाम को सेठानी घाट पर 51 हजार दीपों की दीपमाला सजाई जाएगी। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत शाम 6:30 बजे मां नर्मदा की महाआरती के साथ आतिशबाजी होगी। नर्मदाष्टक पाठ सहित धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। सुबह के स्वच्छता अभियान में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, पूर्व नपा अध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और सामाजिक संगठनों के सदस्य शामिल हुए। आयोजन का उद्देश्य स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और मां नर्मदा के प्रति आस्था के साथ जनभागीदारी को बढ़ावा देना है।

अधिकारियों के वाहनों पर काली फिल्म का मामला, आरटीओ की कार्रवाई पर उठे सवाल

धार। दोपहर मेट्रो

शहर में वाहनों के कांच पर काली फिल्म के इस्तेमाल को लेकर परिवहन विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। कलेक्टर कार्यालय परिसर और शहर में प्रशासनिक अधिकारियों के उपयोग में आने वाले कुछ वाहनों के कांच पर काली फिल्म लगी होने की बात सामने आई है। इससे नियमों के समान रूप से पालन और कार्रवाई को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

मोटर वाहन नियमों के तहत वाहनों के कांच की दृश्यता निर्धारित मानकों के अनुरूप होना जरूरी है। काली फिल्म के इस्तेमाल को लेकर परिवहन विभाग और पुलिस समय-समय पर कार्रवाई करते रहे हैं। आम वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई किए जाने के बीच प्रशासनिक उपयोग वाले वाहनों पर भी नियमों के पालन को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। स्थानीय स्तर पर लोगों का कहना है कि

यातायात और परिवहन नियम सभी वाहनों के लिए समान होने चाहिए। यदि किसी सरकारी या प्रशासनिक वाहन पर भी प्रतिबंधित फिल्म लगी है तो संबंधित विभाग को नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। मामले में परिवहन विभाग की ओर से स्पष्ट किया जाना बाकी है कि ऐसे वाहनों की जांच की गई है या नहीं और नियमों के उल्लंघन की स्थिति में क्या कार्रवाई प्रस्तावित है।

मेट्रो एंकर गौशाला में विप्र समाज ने किया संत का सम्मान, पुनः कथा आयोजन का किया आग्रह

दोबारा भागवत कथा के लिए जरूर निकालूंगा समय : महाराज

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर की गौशाला परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान बुधवार को श्रद्धा, सम्मान और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। कथा व्यास एवं गौ पीठाधीश्वर पंडित विपिन बिहारी दास महाराज के दर्शन और आशीर्वाद के लिए विप्र समाज के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज की ओर से महाराज श्री का आत्मीय सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में विप्र समाज के संरक्षक पंडित रमेश तिवारी, अध्यक्ष ओंकार प्रसाद मिश्र सहित समाज के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। महाराज श्री ने सभी का स्नेहपूर्वक स्वागत किया और सनातन परंपरा के अनुरूप श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। संत के हाथों मिले इस सम्मान से समाज के सदस्य भावविभोर नजर आए। नगरवासियों ने भी महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा के समापन अवसर पर नगरवासियों और ब्राह्मण समाज ने महाराज श्री से तेंदूखेड़ा में पुनः श्रीमद्भागवत कथा आयोजित करने का आग्रह किया। श्रद्धालुओं ने कहा कि कथा के माध्यम से उन्हें आध्यात्मिक ज्ञान, भक्ति और जीवन मूल्यों की प्रेरणा मिली है। श्रद्धालुओं के प्रेम और गौसेवा के प्रति समर्पण से प्रभावित होकर पंडित विपिन बिहारी दास महाराज ने कहा, 'तेंदूखेड़ा के भक्तों का प्रेम और गौ माता की सेवा अद्भुत है। आप सभी के स्नेह के लिए मैं दोबारा कथा के लिए समय जरूर निकालूंगा।' महाराज श्री के आश्वासन के बाद गौशाला परिसर जय श्रीकृष्ण और गौ माता की जय के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने संत के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस दौरान बड़ी संख्या में नगरवासी और विप्र समाज के सदस्य मौजूद रहे।

याचिका या प्रचार

जनहित याचिका लोकतंत्र में नागरिकों को मिला महत्वपूर्ण कानूनी अधिकार है। इसके जरिए ऐसे सवाल अदालत तक पहुंचते हैं जिनका असर समाज के बड़े हिस्से पर पड़ता है। लेकिन अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। हर सार्वजनिक मुद्दा जनहित याचिका का विषय नहीं हो सकता और हर समाचार अदालत के हस्तक्षेप का आधार नहीं बन सकता। सुप्रीम कोर्ट में फर्जी और जाली मेडिकल डिग्रियों से जुड़ी एक जनहित याचिका की सुनवाई ने इसी सवाल को फिर सामने ला दिया। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने याचिकाकर्ता के लगातार जनहित याचिकाएं दाखिल करने के तरीके पर कड़ी टिप्पणी करते हुए याचिका खारिज कर दी। अदालत ने इस बात पर आपत्ति जताई कि बार-बार याचिकाएं दाखिल करने से न्यायालय का समय प्रभावित होता है और जनहित की प्रक्रिया को प्रचार का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। याचिका में फर्जी मेडिकल डिग्रियों के कथित बढ़ते मामलों की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति गठित करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता ने अदालत के समक्ष कुछ आंकड़े भी रखे और समस्या को गंभीर बताया। मुद्दा निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। डॉक्टर की डिग्री केवल एक प्रमाणपत्र नहीं होती; उसके पीछे मरीज का भरोसा और कई बार उसकी जिंदगी जुड़ी होती है। लेकिन किसी विषय का गंभीर होना और उसे अदालत में प्रभावी ढंग से साबित कर पाना दो अलग बातें हैं। न्यायालय के सामने रखे गए आंकड़ों के स्रोत, उनकी विश्वसनीयता, समस्या का वास्तविक दायरा और मांगी गई राहत का कानूनी आधार-इन सभी की अपनी अहमियत है। यही वह बिंदु है जहां जनहित और प्रचार के बीच अंतर करना जरूरी हो जाता है। यदि बिना पर्याप्त पड़ताल और कानूनी तैयारी के लगातार याचिकाएं दाखिल हों, तो न्यायालय का बहुमूल्य समय खर्च होता है। इसका असर उन मामलों पर भी पड़ सकता है जिनमें वास्तविक न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है। हालांकि अदालत की टिप्पणी का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि फर्जी मेडिकल डिग्रियों जैसे गंभीर विषय की अनदेखी कर दी जाए। यदि जाली प्रमाणपत्र या फर्जी डिग्री के ठोस मामले हैं, तो उनकी जांच संबंधित नियामक संस्थाओं और सक्षम एजेंसियों द्वारा दस्तावेजी प्रमाणों के आधार पर होनी चाहिए।

सेवा के 25 साल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक मंच पर बढ़ाई भारत की प्रतिष्ठा और मान-सम्मान

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश

राजनीति के मैदान में ऐसे अनेक नेता और जननेता हुए हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। इनमें कुछ अपनी प्रशासनिक क्षमता के लिए जाने गए, तो कुछ ने अपने राजनीतिक कौशल से अलग पहचान बनाई। लेकिन ऐसे नेता विरले ही होते हैं, जो संगठन से निकलकर मुख्यमंत्री के रूप में अपनी राजनीतिक और प्रशासनिक कार्यकुशलता की मिसाल कायम करें और आगे चलकर प्रधानमंत्री के रूप में न केवल देश की राजनीति और शासन-व्यवस्था को नई दिशा दें, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाये।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सार्वजनिक जीवन ऐसी ही असाधारण यात्रा का उदाहरण है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगभग 13 वर्षों तक उन्होंने शासन की एक ऐसी शैली विकसित की, जिसमें विकास, सुशासन और जनभागीदारी को केंद्र में रखा गया। इसके बाद वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और विश्व में प्रभावशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे परिस्थितियों को केवल देखते नहीं, बल्कि उनमें परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। दुनिया की राजनीति में कहाँ मौन रहना है, कहाँ अपनी बात स्पष्ट रूप से रखनी है और कहाँ दृढ़ता के साथ भारत के हितों की रक्षा करनी है। इसका संतुलन प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने अपनी विदेश नीति में लगातार प्रदर्शित किया है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत किया है।

आज भारत विश्व राजनीति में एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। अमेरिका और रूस जैसे देशों के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखना हो, पश्चिम एशिया में भारत के हितों की रक्षा करनी हो या रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे जटिल अंतरराष्ट्रीय विषयों पर शांति और संवाद का पक्ष रखना हो, प्रधानमंत्री जी ने भारतीय दृष्टिकोण को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी रही है कि संकट के समय भारत ने केवल अपने नागरिकों की ही चिंता नहीं की, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व को भी निभाया।कोरोना महामारी के कठिन दौर में भारत ने जिस प्रकार अपने नागरिकों की सुरक्षा और जरूरतों का ध्यान रखा, वह अभूतपूर्व था। इसके साथ ही भारत ने अनेक देशों को दवाइयाँ, वैक्सीन और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर तुर्किए तक, जब भी आवश्यकता पड़ी, भारत ने सहायता का हाथ बढ़ाया। युद्धग्रस्त क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए भी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अनेक अभियान चलाए गए। यूक्रेन में फंसे भारतीय विद्यार्थियों की सुरक्षित वापसी हो या संकटग्रस्त परिस्थितियों में अन्य भारतीय नागरिकों को स्वदेश लाना इन प्रयासों ने यह संदेश दिया कि भारत अपने प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।भारत की मानवीय संवेदनशीलता का परिचय उस समय भी मिला, जब कठिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद पड़ोसी देश पाकिस्तान के विद्यार्थियों को भी सुरक्षित उनके देश वापस पहुँचाने के प्रयास किए गए। यह भारतीय संस्कृति की उस भावना का परिचायक है, जिसमें मानवता को सर्वोपरि माना गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा आतंकी हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद को सहन करने वाला देश नहीं है।ऑपरेशन सिंदूर ने भी आतंकवाद के विरुद्ध भारत के संकल्प को दुनिया के सामने दृढ़ता से रखा। भारत ने यह स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई उसके लिए केवल सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सम्मान और नागरिकों की सुरक्षा का प्रश्न भी है।प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आतंकवाद को लेकर भारत की नीति में जो दृढ़ता आई है, उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का भी ध्यान आकर्षित किया है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मुद्दे को वैश्विक मंचों पर प्रभावी ढंग से उठाने और आतंकवाद के खिलाफ व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने में भारत को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स (BRICS) सम्मेलन के माध्यम से भारत ने वैश्विक मंच पर स्वयं को एक संतुलित, व्यवहारिक और नीतिगत रूप से स्वायत्त राष्ट्र के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। भारत की साख एक ऐसे देश के रूप में बनी है जो वैश्विक दक्षिण (Global South) की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और पश्चिमी देशों तथा पूर्वी शक्तियों के बीच संवाद का संतुलन बनाए रखने में सक्षम है। भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि ब्रिक्स किसी पश्चिम-विरोधी गुट के रूप में नहीं, बल्कि एक समावेशी और सुधारात्मक बहुपक्षीय मंच के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्थिक विकास और आतंकवाद के प्रति कड़े रुख ने वैश्विक स्तर पर देश की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाया है।इस पूरे परिदृश्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका अत्यंत निर्णायक और प्रभावी रही है। सम्मेलनों के दौरान विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों के साथ की गई उनकी द्विपक्षीय बैठकों ने न केवल जटिल क्षेत्रीय मुद्दों को सुलझाने में मदद की, बल्कि भारत के आर्थिक और व्यापारिक हितों को भी नई दिशा दी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष गरीब और वंचित वर्गों के जीवन में बदलाव लाने का प्रयास है। जनकल्याण की योजनाओं में जाति, क्षेत्र या धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ देश के करोड़ों परिवारों तक पहुँचा है।गरीबों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि उनके जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पक्का घर, शौचालय, बिजली, गैस कनेक्शन, बैंक खाता, स्वास्थ्य सुरक्षा और खाद्यान्न की उपलब्धता जैसे विषयों को जनकल्याण की मुख्यधारा में लाया गया। आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और असहाय परिवारों के लिए गंभीर बीमारियों के उपचार को आर्थिक रूप से अधिक सुलभ बनाया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।प्रधानमंत्री जी के लिए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' केवल नारा नहीं, बल्कि शासन का मूल मंत्र रहा है। प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही श्री मोदी जी ने स्वच्छता को राष्ट्रीय अभियान का रूप दिया। उन्होंने स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर स्वच्छता का संदेश दिया और देशवासियों से स्वच्छ भारत के निर्माण में भागीदारी का आह्वान किया।इस अभियान ने देश की सोच में परिवर्तन लाने का काम किया। गांवों से लेकर शहरों तक स्वच्छता जनआंदोलन बनी। मध्यप्रदेश ने भी इस अभियान में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। इंदौर का लगातार स्वच्छ शहरों में अग्रणी रहना इस जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत स्थिति बना चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों ने उत्पादन, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में नई संभावनाएँ पैदा की हैं। रक्षा उत्पादन और निर्यात में भारत की बढ़ती क्षमता इसका प्रमाण है।भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। चंद्रयान-3 की सफलता और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की वैज्ञानिक क्षमता की ओर आकर्षित किया।

प्रधानमंत्री जी का मानना है कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। युवाओं को कौशल, रोजगार, स्वरोजगार, स्टार्टअप और तकनीकी नवाचार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की गई हैं।मुद्रा योजना ने छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर लाखों युवाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया। कौशल विकास और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं में नौकरी खोजने के साथ-साथ रोजगार देने की भावना को भी मजबूत किया है।

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए भी प्रधानमंत्री जी ने अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को रसोई के धुएँ से राहत दिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना ने महिलाओं को परिवार की संपत्ति में अधिक सम्मानजनक भागीदारी का अवसर दिया। महिला आरक्षण कानून ने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम रखा है।'लखपति दीदी' अभियान के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह केवल महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकास के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति समाज में आत्मविश्वास जगाने का कार्य किया है। 'विरासत के साथ विकास' की भावना के अनुरूप उन्होंने आधुनिक भारत को उसकी प्राचीन सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया है।योग, जो भारत की हजारों वर्ष पुरानी जीवन पद्धति है, उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने में प्रधानमंत्री जी की भूमिका उल्लेखनीय रही है। उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी। आज दुनिया के अनेक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने स्वस्थ जीवन का हिस्सा बना रहे हैं। यशस्वी मोदी जी के प्रयासों से अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ने करोड़ों भारतीयों की आस्था और सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा दी। इसी प्रकार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने का निर्णय राष्ट्रीय एकता और अखंडता की दृष्टि से ऐतिहासिक माना गया।

'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने देश के सामान्य नागरिकों से सीधे संवाद की एक अनूठी परंपरा विकसित की। देश के दूरदराज के गांवों, छोटे शहरों और सामान्य परिवारों से जुड़े अनेक लोगों के कार्यों को राष्ट्रीय मंच मिला।यह संवाद प्रधानमंत्री जी के उस दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें भारत का विकास केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से संभव माना गया है। यशस्वी नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष केवल सत्ता में रहने की अवधि नहीं, बल्कि सेवा, संघर्ष, परिश्रम और राष्ट्र निर्माण की निरंतर यात्रा हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से समाज और राष्ट्र सेवा का संकल्प लेकर शुरू हुई यह यात्रा गुजरात के मुख्यमंत्री से होते हुए देश के प्रधानमंत्री तक पहुँची। उनके लिए राष्ट्र प्रथम है और यही भावना उनके प्रत्येक निर्णय में दिखाई देती है। उन्होंने भारत को आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र बनाने का लक्ष्य सामने रखा है।उनके जन्मदिवस पर हम सभी का यह संकल्प होना चाहिए कि हम राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे और विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएँगे।

कहा गया है.....

'परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है।
जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है।
समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है। '

यह उद्घोष आज भारत के उस नेतृत्व के प्रति हमारे विश्वास को व्यक्त करता है, जिसने सेवा को साधना और राष्ट्र निर्माण को अपना ध्येय बनाया है। आइए, प्रधानमंत्री जी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा के अवसर पर हम भी राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपनी आहुति देने का संकल्प लें। देश के लिए नई उम्मीदों का दीप जलाएँ, अपने सामर्थ्य के अनुसार योगदान दें और उस भारत के निर्माण में सहभागी बनें, जिसका सपना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनायकों ने देखा था।

प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन 17 सितंबर को हम सभी अपने घरों और प्रतिष्ठानों में आशीर्वाद का एक दीप जलाएँ और उनकी दीर्घायु, स्वस्थ एवं यशस्वी जीवन की कामना करें। यह दीप उस विश्वास का प्रतीक बने कि भारत की विकास यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहे, देश आत्मनिर्भर एवं शक्तिशाली बने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प साकार हो। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना के साथ विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा निरंतर आगे बढ़े, यही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस पर हमारी सबसे बड़ी शुभकामना है।

'जिसने जीवन संवारा, उसको नमन हमारा।'

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

बेडरूम में बल्ब जलाकर सोने से कार्डियोवैस्कुलर डिजीज का खतरा !

अगर आपके बेडरूम में भी बल्ब जलता है तो एक्सपर्ट की इस सलाह को नजरअंदाज ना करें। क्योंकि यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित हुए 11 हजार से ज्यादा लोगों के शोध ने एक चिंता खड़ी कर दी है। अगरनाइट बल्ब या लैंप की रोशनी जरूरत से ज्यादा है तो इससे आपको कार्डियोवैस्कुलर डिजीज का खतरा हो सकता है। ऐसा अमेरिका की टुलेन यूनिवर्सिटी की स्टडी में सामने आया है। इस नाइटटाइम लाइट एक्सपोजर में रात के वक्त दूसरी तरह की लाइटों का संपर्क भी शामिल है, जैसे मोबाइल स्क्रीन की लाइट।

किन-किन बीमारियों का खतरा?: शोधकर्ताओं का कहना है कि रात में सोते वक्त कमरे के अंदर लाइट होने पर दिल के स्ट्रक्चरल पार्ट में बदलाव हो सकता है। इससे हार्ट फेलियर, एट्रियल फाइब्रिलेशन (असामान्य या तेज धड़कन), हार्ट अटैक, स्ट्रोक और दिल की बीमारी से होने वाली मृत्यु का खतरा हो सकता है। शोध में लाइट की मात्रा को लक्स यूनिट में रिकॉर्ड किया गया है। 11 हजार लोगों पर किए गए अध्ययन में कुछ लोगों को एक लाइट सेंसर पहनाकर रोशनी में सुलाया गया और कुछ लोगों को बिल्कुल अंधेरे में। 3 साल बाद प्रतिभागियों का कार्डियक एमआरआई किया गया, जिसके अंदर रोशनी में सोने वाले लोगों के दिल के स्ट्रक्चर और फंक्शन में काफी बड़ा बदलाव देखा गया।

प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर लू क्यूई का कहना है कि इससे पिछली ऑब्जर्वेशनल स्टडीज में यह देखा गया था कि रात में लाइट जलाकर सोने से दिल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। लेकिन हमने यह शोध करके पता लगाया है कि आखिर इस अंग में स्ट्रक्चरल क्या दिक्कत आती है। शोध में देखा गया कि रात में लाइट जलाकर सोने वालों के दिल के लेफ्ट वेंट्रिकल की दीवार में सूजन और फुलाव आया, जिससे चैंबर के अंदर की जगह कम हो गई। इससे दिल की प्रभावी तरीके से धड़कने की क्षमता कम हुई, जो हार्ट डिस्फंक्शन की शुरुआती स्टेज दर्शाता है। साथ ही राइट वेंट्रिकल और लेफ्ट एट्रिया में भी बदलाव आए। प्रोफेसर क्यूई का कहना है कि सोते वक्त ज्यादा लाइट के संपर्क में आना लाइट पॉल्यूशन का एक हिस्सा है, जो कि कार्डिएक रिमॉडलिंग से जुड़ा है।

सुविचार

दिल के साफ लोग, हर जगह से ठुकरा दिए जाते हैं पार्थ.... -अज्ञात

निशाना

आप की लगाम को वक्त है कसें जनाब

रामकिशोर नाविक

तोड़ दी हदें जनाब
और ना लदें जनाब
आपकी है सोच बस
आप ही जचें जनाब
आप की लगाम को
वक्त है कसें जनाब
हम लुटे हुये सभी
किस तरह हँसें जनाब
सोचता है हर बशर
आप से बचें जनाब।

यूजर रिसर्च

एलन मस्क बोले-वीडियो गेम खेलो या बेवकूफ बनो, गेमिंग से दिमाग तेज होने का दावा

एलन मस्क ने लोगों को स्मार्ट बनने का तरीका बताया है। उन्होंने ने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट करके कहा है कि वीडियो गेम खेलें या मूर्ख बनें। इसका साफ मतलब समझ आ रहा है कि मस्क का मानना है कि वीडियो गेम के मामले में सिर्फ दो ही ऑप्शन हैं। या तो आप उन्हें खेलें और ज्यादा स्मार्ट बनें या फिर उन्हें ना खेलें और बेवकूफ बने रहें। भले ही वीडियो गेम में समय बर्बाद करने पर आपको अपने माता-पिता से डांट पड़ती हो, लेकिन दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति का मानना है कि वीडियो गेम असल में इंसानों को ज्यादा स्मार्ट बना सकते हैं और यह सिर्फ मस्क का दावा नहीं है।

बता दें कि एलन मस्क का यह सुझाव एक स्टडी के जवाब में आया है। इस स्टडी में पाया गया कि जो लोग अक्सर वीडियो गेम खेलते हैं, उन्होंने कॉग्निटिव टेस्ट यानी दिमागी क्षमता की जांच में उन लोगों से बेहतर प्रदर्शन किया जो गेम नहीं खेलते थे। इस रिसर्च से पता चला कि जो लोग रोजाना गेम खेलते हैं, उनका दिमाग टेस्ट के दौरान बहुत तेजी से काम करता है। गेम खेलने वाले एक बड़े इंसान का दिमाग बिना गेम खेलने वाले खुद से करीब 14 साल छोटे इंसान जितना तेज निकला।

2600 लोगों के साथ हुई स्टडी: जब एलन मस्क ने 'X' पर वीडियो गेम को लेकर एक पोस्ट किया, तो लोगों ने गेमिंग के फायदे बताने वाली रिसर्च और मीम्स शेयर करना शुरू कर दिया। लेकिन मस्क ने जिस रिसर्च की बात की थी, वह सिर्फ गेमिंग के बारे में नहीं थी। इस स्टडी के लिए शुरुआत में 2,600 से अधिक लोगों ने साइन अप किया था। डुप्लिकेट, अपूर्ण और असामान्य प्रतिक्रियाओं को हटाने के बाद, रिसर्च के पास अंतिम विश्लेषण के लिए 923 प्रतिभागी बचे थे।

गेम खेलने वालों का दिमाग ज्यादा तेज: रिसर्च में शामिल लोगों को चुनने के बाद, उनसे एक फॉर्म भरवाया गया, जिसमें उनकी एक्सरसाइज और गेमिंग की आदतों के बारे में पूछा गया। इसके बाद उनका एक दिमागी टेस्ट लिया गया, जिससे यह देखा जा सके कि उनकी मेमोरी, सोचने-समझने की क्षमता, फोकस, प्रॉब्लम सॉल्विंग और देखने की समझ कितनी अच्छी है। इसके नतीजे काफी दिलचस्प निकले। जो लोग ज्यादा वीडियो गेम खेलते थे, उनका दिमाग टेस्ट में बाकी लोगों से बेहतर साबित हुआ। खासकर याददाश्त तेज होने और किसी बात के पीछे का लॉजिक समझने के मामले में वे काफी आगे रहे।

न्यू लाइफ

215 एकड़ जमीन पर बस रहा 180 घर वाला वैदिक गांव, दिखेगी सनातन की झलक

भारत की सनातन संस्कृति पूरी दुनिया को प्रभावित कर रही है। अब अमेरिका में वैदिक गांव बसाया जा रहा है। 215 एकड़ की सोसायटी में इस गांव में कुल 180 घर होंगे। शंख और मंदिर की घंटियों की ध्वनि के बीच सुबह की शुरुआत होगी। हर घर के सामने खेत होगा। इस वैदिक गांव की इमारतों के नाम संस्कृत के पवित्र शब्दों से लिए गए हैं।

दरअसल, अमेरिका के गांवों में रहने वाले लोग अकेलेपन से जूझते हैं, पड़ोसियों से अनजान रहते हैं, फास्ट लाइफ, अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड और पश्चिमी लाइफ स्टाइल से जुड़ी बीमारियों से परेशान हैं। ऐसे में वो भारतीय गांवों की जीवनशैली के मुताबिक जीवन जीना चाहते है। अमेरिका में इसी संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए वैदिक विलेज बनाया जा रहा है। यह वैदिक विलेज अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना के विंस्टन स्लेम शहर में बनाया जाना है। गांव के बीच में एक मंदिर होगा। मंदिर की आरती-शंख और घंटियों की ध्वनि से सुबह की शुरुआत होगी।

अमेरिका में यह वैदिक विलेज भारतीय मूल के उद्योगपति प्रकाश बुचीरेड्डी बसा रहे हैं। बुचीरेड्डी तेलंगाना की प्रकृति की गोद में पले-बढ़े हैं। उनका कहना है कि अमेरिकी लाइफ स्टाइल को छोड़कर वो भारतीय गांवों के जैसा सुकून खोजना चाहते हैं। यह वैदिक विलेज 2028 के अंत तक बनकर तैयार हो जाएगा। सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि 215 एकड़ में बस रही सोसायटी की इमारतों के नाम संस्कृत भाषा से लिए गए हैं। 110 घर तो मार्च 2026 में ही बुक हो गए थे। हर घर के सामने खेत होगा। हरियाली, खेती और मनोरंजन के साधन मौजूद होंगे. नॉर्थ कैरोलिना के विंस्टन स्लेम में बस रही सोसयटी का पूर प्रोजेक्ट करीब 717 करोड़ रुपये का है।

नॉर्थ कैरोलिना के विंस्टन स्लेम शहर में वैदिक विलेज का प्रोजेक्ट सफल होने के बाद अब जॉर्जिया में वृंदावनम और टेनेसी में 'वानप्रस्थ' जैसे गांव बसाए जाने है. वानप्रस्थ गांव रिटायर्ड लोगों के लिए होगा। भारतीय संस्कृति के अनुरूप ही इसे बसाया जाएगा। इन वैदिक विलेज में लोग जमीनें खरीद रहे हैं। इन गांवों में अमेरिका के गांवों की सुविधाएं तो होंगी लेकिन ये भारतीयता का अहसास कराएंगे। फास्ट फूड इन वैदिक गांवों में बैन होंगे, लोग मंदिरों में पूजा-पाठ करेंगे। आते-जाते लोगों से मेल-मुलाकात करेंगे, साथ में बैठकर चाय पीएंगे जिससे अकेलापन कोसों दूर भागेगा।

बांग्लादेश के विश्व कप से बाहर होने का खुला राज

आसिफ नजरुल पर आया पूरा ठीकरा रिपोर्ट में सरकार के फैसले पर उठे सवाल

नई दिल्ली/ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के टी20 विश्व कप 2026 से बाहर रहने का विवाद अब जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद नए मोड़ पर पहुंच गया है। राष्ट्रीय खेल परिषद की ओर से गठित तीन सदस्यीय जांच समिति ने 22 पन्नों की रिपोर्ट जारी करते हुए कहा है कि भारत में हुए विश्व कप में बांग्लादेश की टीम को नहीं भेजने के फैसले के पीछे तत्कालीन युवा एवं खेल सलाहकार आसिफ नजरुल की मुख्य भूमिका थी। समिति के मुताबिक, यह फैसला उनके निर्देश पर लिया गया था। जांच समिति के सदस्य बैरिस्टर फैसल दस्तगीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि संबंधित लोगों से बातचीत, मीडिया रिपोर्ट और उपलब्ध जानकारी के आधार पर समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची कि बांग्लादेश के विश्व कप से हटने के फैसले के लिए आसिफ नजरुल जिम्मेदार थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सरकार के सर्वोच्च स्तर या बीसीबी बोर्ड ने सुरक्षा कारणों से टीम को वापस लेने का औपचारिक फैसला नहीं किया था।

हालांकि, रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि बीसीबी ने खेल मंत्रालय के फैसले पर असहमति नहीं जताई और उसके बाद टीम के विश्व कप में नहीं जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी। समिति ने साफ कहा कि बांग्लादेश को विश्व कप में हिस्सा लेना चाहिए था। जांच के दौरान टी20 कप्तान लिटन दास, टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शांतो, कोच मोहम्मद सलाहुद्दीन और बीसीबी से जुड़े अधिकारियों समेत 12 लोगों के बयान लिए गए। रिपोर्ट में शांतो और लिटन के बयानों का भी उल्लेख है। दोनों के मुताबिक, खिलाड़ी भारत में विश्व कप खेलने के पक्ष में थे। शांतो ने आसिफ नजरुल को फैसले का 'सोल डिसीजन मेकर' बताया। वहीं लिटन ने फैसले को एकतरफा बताया। समिति के मुताबिक, इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा नुकसान खिलाड़ियों और प्रशंसकों को हुआ।

आसिफ नजरुल ने खुद भी ली फैसले की जिम्मेदारी

जांच रिपोर्ट जारी होने के कुछ ही घंटे बाद आसिफ नजरुल ने सोशल मीडिया पर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि भारत में विश्व कप नहीं खेलने का फैसला मुख्य रूप से उनका ही था। हालांकि, उन्होंने इसे खिलाड़ियों, पत्रकारों और समर्थकों की सुरक्षा तथा देश की गरिमा से जुड़ा फैसला बताया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि इस मामले की जांच इतने समय बाद क्यों की गई।

मुस्तफिजुर रहमान से शुरू हुआ था विवाद

पूरे विवाद की शुरुआत आईपीएल से जुड़ी घटना के बाद हुई थी। बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स से अलग किए जाने के बाद दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में तनाव बढ़ा। इसके बाद बांग्लादेश ने भारत में होने वाले अपने विश्व कप मुकाबलों को श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की, लेकिन आईसीसी ने इसे स्वीकार नहीं किया। अंततः बांग्लादेश टूर्नामेंट से बाहर हो गया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया।

बीसीबी की रणनीति पर भी उठे सवाल

जांच समिति ने सिर्फ सरकार और आसिफ नजरुल की भूमिका पर सवाल नहीं उठाए, बल्कि उस समय बीसीबी की कार्यप्रणाली को भी कटघरे में रखा। रिपोर्ट में बोर्ड में स्वतंत्र रणनीतिक नेतृत्व, संकट के दौरान प्रभावी कूटनीतिक बातचीत और दीर्घकालिक योजना की कमी का उल्लेख किया गया। राजनीतिक तनाव, आईसीसी का आयोजन स्थल बदलने से इनकार और सरकारी हस्तक्षेप को फैसले पर 'बहुत अधिक प्रभाव' डालने वाले कारक बताया गया, जबकि बीसीबी की बातचीत में नाकामी को भी महत्वपूर्ण कारण माना गया।

मेसी का अर्जेंटीना के लिए आखिरी मैच तय!

6 अक्टूबर को बेनिन के खिलाफ होगा विदाई मुकाबला, 85 हजार दर्शकों के सामने कहेंगे अलविदा

नई दिल्ली, एजेंसी

फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में शामिल लियोनेल मेसी अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के लिए अपना आखिरी मुकाबला 6 अक्टूबर को खेलेंगे। ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोन्यूमेंटल में बेनिन के खिलाफ होने वाला यह मैत्री मुकाबला मेसी के अंतरराष्ट्रीय करियर का आधिकारिक विदाई मैच होगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने मेसी के साथ रोड्रिगो डी पॉल और जियोवानी लो सेल्सो को भी मुकाबले के लिए टीम में शामिल किया है।

एफए अध्यक्ष ने दी 'शानदार विदाई' की जानकारी

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो टैपिया ने सोशल मीडिया पर मेसी को लेकर कहा कि देश दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, राष्ट्रीय टीम के प्रतीक और अपने कप्तान को अर्जेंटीना में शानदार विदाई देना चाहता है। इस मुकाबले के लिए 2022 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ियों और उनके परिवारों को भी आमंत्रित किया गया है। लगभग 85 हजार दर्शकों की क्षमता वाले एस्टाडियो मोन्यूमेंटल में होने वाला मुकाबला मेसी के प्रशंसकों के लिए बेहद खास होगा। मैदान पर उनके अंतरराष्ट्रीय सफर के सबसे यादगार पलों को एक बार फिर याद किया जाएगा।

तीन वर्षों में बदली तस्वीर

20 साल का ऐतिहासिक सफर होगा खत्म

मेसी ने 2005 में महज 18 साल की उम्र में अर्जेंटीना के लिए पदार्पण किया था। इसके बाद करीब दो दशक तक उन्होंने राष्ट्रीय टीम की अगुआई की। उनके नेतृत्व में अर्जेंटीना ने एक विश्व कप और दो कोपा अमेरिका खिताब जीते। मेसी अर्जेंटीना के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक 207 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 125 गोल किए हैं। आठ बार के बैलन डीओर विजेता मेसी फिलहाल अमेरिका की मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के लिए खेल रहे हैं। मेसी के अंतरराष्ट्रीय करियर का सबसे यादगार अध्याय 2022 में आया, जब अर्जेंटीना ने विश्व कप अपने नाम किया। इससे पहले 2014 विश्व कप में टीम उपविजेता रही थी।

अक्टूबर में तीन मैत्री मुकाबले

अर्जेंटीना 30 सितंबर को कॉर्डोबा के मारियो अल्बर्टो केम्पेस स्टेडियम में बोलीविया से भिड़ेगा। इसके बाद 3 अक्टूबर को रिवर प्लेट स्टेडियम में बुर्किना फासो के खिलाफ मुकाबला होगा। दौरे का अंतिम मैच 6 अक्टूबर को बेनिन के खिलाफ एस्टाडियो मोन्यूमेंटल में खेला जाएगा। यही मुकाबला अर्जेंटीना की जर्सी में मेसी के लंबे और गौरवपूर्ण सफर का अंतिम पड़ाव बनेगा।

वरुण को फिर लगी चोट, एशियाई खेलों से भी बाहर; एक मैच खेलकर दोबारा मैदान से हुए दूर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के 'मिस्ट्री स्पिनर' वरुण चक्रवर्ती की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 मुकाबले में चोटिल हुए वरुण अब एशियाई खेलों 2026 से भी बाहर हो गए हैं। इससे पहले वह अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला से हटे थे। वापसी के बाद महज एक मुकाबला खेल पाए वरुण को अब दोबारा मैदान से बाहर बैठना पड़ेगा।

13 सितंबर को दिल्ली में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए पहले टी20 मुकाबले में वरुण ने चार ओवर में 16 रन देकर एक विकेट लिया था। मुकाबले के दौरान अपने तीसरे ओवर में उन्हें शरीर के बाएं हिस्से में अचानक दर्द महसूस हुआ। इसके बाद उनकी जांच कराई गई, जिसमें बगल के हिस्से में खिंचाव की पुष्टि हुई। इसी चोट के कारण उन्हें आगे की श्रृंखला से बाहर होना पड़ा। अब उनकी स्थिति को देखते हुए एशियाई खेलों के लिए भी भारतीय टीम से उनका नाम हटाना पड़ा है। वरुण करीब दो महीने के अंतराल के बाद भारतीय टीम में लौटे थे। इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई की शुरुआत में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले के दौरान उन्हें जांघ की मांसपेशी में गंभीर चोट लगी थी। इसके बाद वह बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के केंद्र में पुनर्वास कर रहे थे।

एशियाई खेलों से पहले बड़ा झटका

शुरुआत में वरुण की नई चोट को ज्यादा गंभीर नहीं माना जा रहा था और उम्मीद थी कि वह एशियाई खेलों में भारतीय टीम का हिस्सा रहेंगे। लेकिन जांच में खिंचाव सामने आने के बाद उनकी उपलब्धता मुश्किल हो गई। इस तरह चोट से वापसी के बाद वह सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलकर फिर बाहर हो गए। 35 वर्षीय वरुण का बाहर होना भारतीय टीम के लिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में टीम के प्रमुख स्पिन विकल्पों में शामिल रहे हैं। वरुण के स्थान पर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। टीम में रवि बिश्नोई और वॉशिंगटन सुंदर जैसे विकल्प मौजूद हैं। बिश्नोई ने हाल ही में जिम्बाब्वे दौरे पर तीनों टी20 मुकाबले खेले थे। उन्होंने श्रृंखला में तीन विकेट लिए और उनकी गेंदबाजी की औसत रन गति 5.66 रही थी।

डब्ल्यूपीएल का आगाज, 14 जनवरी से 28 अक्टूबर को नीलाम होंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 की तारीखों का ऐलान कर दिया है। डब्ल्यूपीएल का पांचवें सीजन की शुरुआत 14 जनवरी से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 7 फरवरी को खेला जाएगा। डब्ल्यूपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 28 अक्टूबर, 2026 को कोच्चि में होगी। खिलाड़ियों को रिटेन करने की आखिरी तारीख 28 सितंबर रखी गई है। इससे पहले सभी पांच टीमों को मौजूदा स्क्वॉड में से रिटेन किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट बीसीसीआई को सौंपनी होगी। डब्ल्यूपीएल 2027 का ऑक्शन कोच्चि के ग्रैंड हयात होटल में होगा। डब्ल्यूपीएल 2026 में स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए खिताब को अपने नाम किया था। टीम ने फाइनल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर दूसरी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था।

हॉकी में भी पाकिस्तान का नया ड्रामा

भारत में होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी को बाहर कराने की मांग, सुरक्षा का हवाला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच खेल के मैदान पर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। इस बार मामला हॉकी से जुड़ा है। भारत में 27 अक्टूबर से होने वाली एशियन हॉकी चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने आपत्ति जताई है। पाकिस्तान ने टूर्नामेंट को भारत से बाहर कराने या फिर अपनी टीम के सभी मुकाबले किसी तटस्थ स्थान पर आयोजित करने की मांग की है। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा कि दोनों देशों के बीच मौजूदा परिस्थितियों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को देखते हुए ऐसा कदम उठाना जरूरी है। उनका कहना है कि इससे खिलाड़ियों और टीम के सहयोगी सदस्यों को सुरक्षित माहौल मिल सकेगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान खेल को राजनीति से अलग रखता है और भारत समेत सभी टीमों के खिलाफ खेलने के लिए तैयार है।

हॉकी इंडिया ने रिश्तों को बताया मजबूत

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि भारत और पाकिस्तान की हॉकी फेडरेशन के बीच संबंध अच्छे हैं और दोनों देशों के खिलाड़ी एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि खेल के स्तर पर दोनों देशों के रिश्ते सकारात्मक रहे हैं। पाकिस्तान इससे पहले भी भारत में आयोजित होने वाले कुछ बड़े हॉकी टूर्नामेंटों से हट चुका है। पिछले साल बिहार में हुए एशिया कप और तमिलनाडु में आयोजित जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप को लेकर भी पाकिस्तान की भागीदारी पर सवाल खड़े हुए थे। अब यदि चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर भी सहमति नहीं बनती है, तो ओमान या बांग्लादेश जैसी टीमों को विकल्प के तौर पर मौका दिए जाने की संभावना जताई जा रही है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

आठ साल बाद टीवी पर रश्मि देसाई की धमाकेदार वापसी, अभिनेत्री बोलीं- कमबैक नहीं, एक मकसद की तलाश थी

मुंबई। छोटे पर्दे की लोकप्रिय अभिनेत्री रश्मि देसाई लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने जा रही हैं। 'उतरन' में तपस्या के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली रश्मि करीब आठ साल से फिक्शन टीवी से दूर थीं। इस दौरान उन्हें कई धारावाहिकों के प्रस्ताव मिले, लेकिन हर कहानी और किरदार से वह जुड़ाव महसूस नहीं कर पाईं। यही वजह रही कि उन्होंने कई प्रस्तावों को ठुकरा दिया।

अब रश्मि को ऐसी कहानी मिल गई है, जिसने उन्हें दोबारा टीवी की दुनिया में कदम रखने के लिए उत्साहित किया है। वह जल्द ही नए धारावाहिक 'सयोनी' में माया के किरदार में नजर आएंगी। रश्मि ने टीवी से दूरी को लेकर कहा कि इन वर्षों में वह किसी अच्छे प्रोजेक्ट का इंतजार कर रही थीं। उनका कहना है कि एक कलाकार के लिए लगातार पर्दे पर नजर आना ही सबसे महत्वपूर्ण नहीं है। कहानी और किरदार में मजबूती होना उनके लिए ज्यादा मायने रखता है। अभिनेत्री के मुताबिक, इसी सोच के चलते उन्होंने कई प्रस्ताव मिलने के बावजूद जल्दबाजी में किसी धारावाहिक का हिस्सा बनने से परहेज किया। वह ऐसा काम करना चाहती थीं, जिसके पीछे कोई वजह और मकसद हो। 'सयोनी' में अपने किरदार माया को लेकर रश्मि काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि माया उनके लिए महज काल्पनिक किरदार नहीं है, बल्कि एक व्यावहारिक और जमीन से जुड़ा हुआ चरित्र है। रश्मि के मुताबिक, जब उनके सामने यह कहानी और किरदार आया तो उन्हें इसमें वह जुड़ाव महसूस हुआ, जिसकी वह लंबे समय से तलाश कर रही थीं। इसी वजह से उन्होंने इस परियोजना के साथ जुड़ने का फैसला किया।

'कुछ ऐसा करना चाहिए, जिसके लिए लोग याद रखें'

रश्मि ने अपने टीवी पर लौटने को लेकर कहा कि वह सिर्फ पर्दे पर दिखाई देने के लिए वापस नहीं आई हैं। उनके लिए काम करने के साथ यह भी जरूरी है कि किरदार और कहानी दर्शकों के जेहन में अपनी जगह बनाए। अभिनेत्री का मानना है कि कलाकारों के पास काम के कई अवसर आते हैं, लेकिन हर अवसर स्वीकार करना जरूरी नहीं होता। उनके अनुसार, ऐसा काम करना चाहिए जिसके लिए दर्शक कलाकार को लंबे समय तक याद रखें। रश्मि को उम्मीद है कि 'सयोनी' की कहानी दर्शकों को पसंद आएगी।

आलिया ने पिता महेश भट्ट को बताया नाटकीय बोलीं- उनके साथ कई मजेदार यादें जुड़ी हैं

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने मां सोनी राजदानी की फिल्म ओम का हरी की स्पेशल स्क्रीनिंग में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने अपने पिता महेश भट्ट से जुड़ा बचपन का एक किस्सा शेयर किया।

अभिनेत्री ने बताया कि उनके पिता काफी मजाकिया व्यक्ति हैं, जिस वजह से उनके साथ कई मजेदार यादें जुड़ी हैं। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने कहा, ÷जब मैं फर्स्ट क्लास में थी, तब मेरा स्पेलिंग टेस्ट था और मुझे डर लगता था कि मैं द शब्द की स्पेलिंग कहीं भूल न जाऊं। पापा ने ये बात मेरे दिमाग में बैठाने के लिए बहुत बड़ा ड्रामा किया, ताकि मैं स्पेलिंग कभी न भूलूं। मुझे आज भी याद है कि वह उस समय एक बड़े भालू की तरह, बहुत ही नाटकीय और मनोरंजक लग रहे थे। फिल्म ओम का हरि भी पिता और बेटे के रिश्ते की उलझनों को दिखाती है। इसे कॉमेडी और ड्रामा के जरिए बताया गया है कि परिवार में कई बार ऐसी बातें होती हैं जो कह पाना मुश्किल होता है। फिल्म का निर्देशन हरीश व्यास ने किया है। इसमें ओम और हरि के मुख्य किरदारों में अंशुमान झा और रघुबीर यादव नजर आएंगे।

फिल्म की कहानी का सबसे अहम हिस्सा पिता और बेटे के बीच का रिश्ता है। आमतौर पर पिता और बेटे के रिश्ते में प्यार के साथ-साथ सोच का फर्क भी देखने को मिलता है। दोनों एक-दूसरे को समझने की कोशिश करते हैं, लेकिन कई बार उनके बीच टकराव भी होता है। ओम का हरि इसी रिश्ते के अलग-अलग रंगों को ड्रामा और कॉमेडी के जरिए सामने लाती है। फिल्म में अंशुमान झा और रघुबीर यादव के अलावा सोनी राजदान, आयशा कपूर और समता सुदीक्षा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फर्स्ट रे फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन हरीश व्यास ने किया है।

मेट्रो बाजार

पीएम विश्वकर्मा योजना ने 30 लाख लाभार्थियों के पंजीकरण का लक्ष्य किया हासिल

नई दिल्ली । पीएम विश्वकर्मा योजना ने लॉन्च होने के तीन साल के भीतर ही 30 लाख लाभार्थियों के पंजीकरण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। इस योजना के तहत कौशल प्रशिक्षण, टूलकिट, ऋण सहायता, डिजिटल प्रोत्साहन और बाजार से जुड़ाव जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस योजना के तहत 24.37 लाख से अधिक कारीगरों को बुनियादी कौशल प्रशिक्षण दिया जा चुका है और 18.16 लाख से अधिक कारीगरों को टूलकिट प्रदान की गई हैं। वहीं, लाभार्थियों को कच्चा माल खरीदने, औजारों को अपग्रेड करने और कारोबार का विस्तार करने में मदद के लिए करीब 5,316 करोड़ रुपए के 6.19 लाख से अधिक ऋण मंजूर किए गए हैं। वहीं, 8.11 लाख से अधिक लाभार्थियों को डिजिटल प्रोत्साहन मिला है, जिसके तहत 42 करोड़ रुपए से अधिक वितरित किए जा चुके हैं। ब्रांडिंग, उत्पाद डिजाइन, पैकेजिंग और मार्केटिंग के लिए एआई टूल्स के इस्तेमाल को लेकर 12,000 से अधिक कारीगरों को भी प्रशिक्षण दिया गया है। बयान में कहा गया कि 30,000 से अधिक विश्वकर्मा लाभार्थियों को सरकारी ई-मार्केटप्लेस , ओएनडीसी, मीशो, अमेजन, फैबइंडिया, सुलेखा आदि विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। देशभर में 1,500 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम और शिविर, 50 से अधिक कार्यशालाएं, 82 व्यापार मेले, 37 राज्य स्तरीय प्रदर्शनियां और 50 से अधिक फ्लैश मॉब आयोजित किए गए हैं।

यूपीआई पर एमडीआर को लेकर मोहनदास पई का बड़ा बयान, बोले- 96% लेनदेन शुल्क से रहेंगे बाहर

नई दिल्ली। यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू किए जाने के फैसले को लेकर बहस के बीच आरिन कैपिटल के चेयरमैन और इंफोसिस के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी टीवी मोहनदास पई ने इसका समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित व्यवस्था का असर यूपीआई के ज्यादातर लेनदेन पर नहीं पड़ेगा। उनके मुताबिक करीब 96 प्रतिशत यूपीआई लेनदेन इस शुल्क के दायरे से बाहर रहेंगे।

बेंगलुरु में पत्रकारों से बातचीत में पई ने कहा कि यूपीआई के लगभग 70 प्रतिशत लेनदेन व्यक्ति से व्यक्ति यानी पी2पी श्रेणी में आते हैं। इन भुगतानों पर किसी तरह का शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इसके अलावा 2,000 रुपये तक के भुगतान भी शुल्क मुक्त रहेंगे। उनके मुताबिक केवल 2,000 रुपये से अधिक के व्यापारी भुगतान पर नाममात्र का एमडीआर लागू होगा। पई ने स्पष्ट किया कि एमडीआर को टैक्स समझना सही नहीं है। यह बैंकों और भुगतान सेवा प्रदाताओं को दिया जाने वाला शुल्क है। उन्होंने इसकी तुलना क्रेडिट कार्ड से होने वाले भुगतान से की, जिसमें व्यापारी को कार्ड कंपनी और बैंक को प्रसंस्करण शुल्क देना पड़ता है।

पई ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को 2,500का भुगतान करना है तो वह इसे 1,500 और 1,000 रुपये के दो अलग-अलग लेनदेन में कर सकता है। इस तरह दोनों भुगतान 2,000 रुपये की सीमा के भीतर रहेंगे। हालांकि, एमडीआर व्यवस्था को लेकर अंतिम प्रभाव लेनदेन के प्रकार और लागू नियमों पर निर्भर करेगा। पई ने कहा कि यूपीआई प्रणाली को लगातार बेहतर बनाए रखने और बढ़ते लेनदेन का दबाव संभालने के लिए बड़े स्तर पर पूंजी निवेश और परिचालन खर्च की जरूरत होती है। उन्होंने दावा किया कि अतीत में लेनदेन की संख्या अचानक बढ़ने पर यूपीआई में 15 से 30 प्रतिशत तक लेनदेन विफल होने की समस्या भी सामने आई थी।

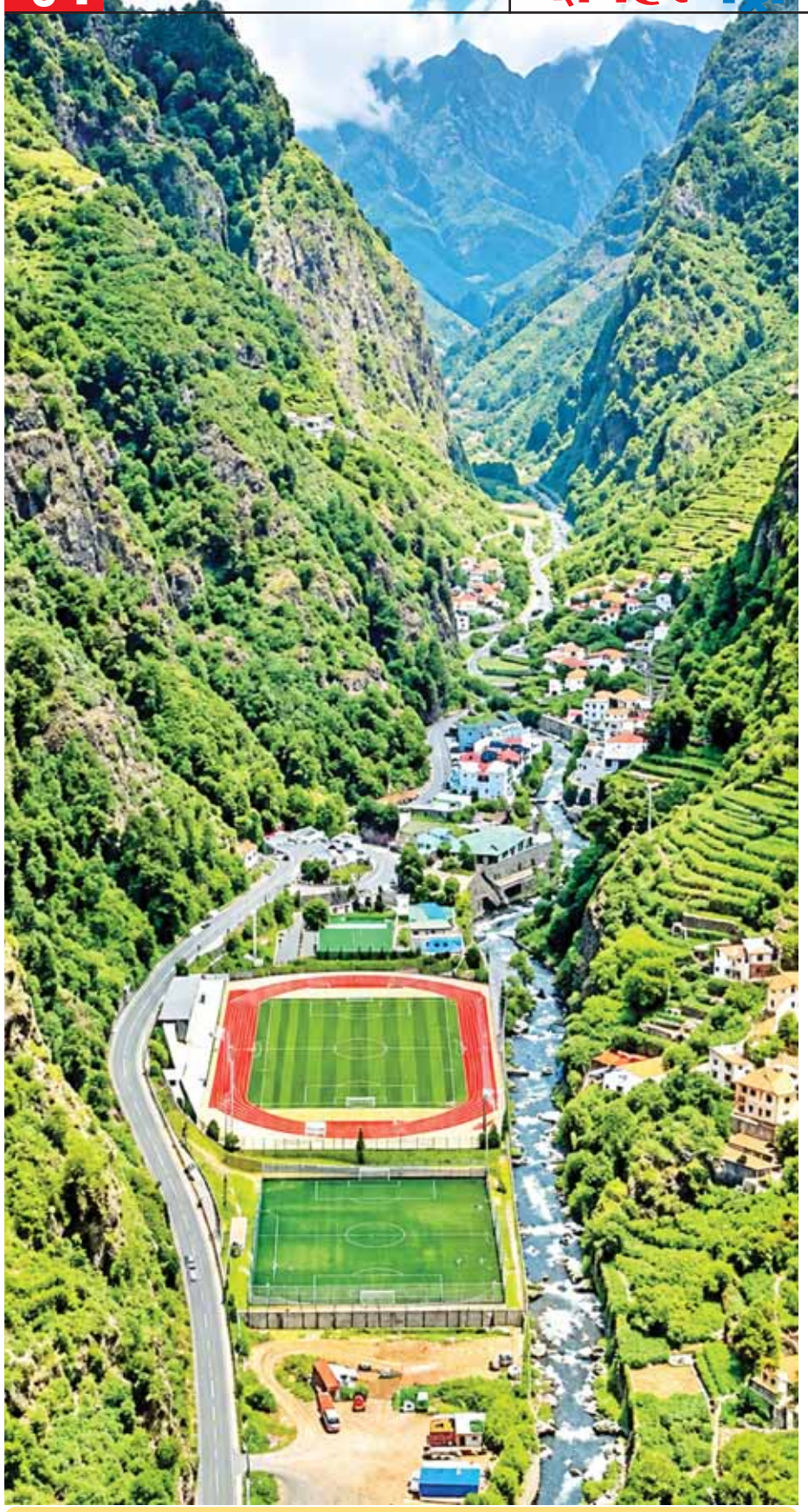

पुर्तगाल: घाटी में बना फीफा सर्टिफाइड फुटबॉल ग्राउंड

लिस्बन. एजेंसी। पुर्तगाल के रिबेरा चावा शहर की सुंदरता और शांत मौसम पर्यटकों व एथलीटों को आकर्षित करता है। आठ किमी लंबे इस शहर में 13 हजार लोग रहते हैं, जहां खिलाड़ियों के लिए फीफा सर्टिफाइड वर्ल्ड क्लास फुटबॉल ग्राउंड उपलब्ध है।

बीआरआईसीएस : सुरक्षा परिषद को मौजूदा वैश्विक ताकत के अनुरूप बनाने की जरूरत

गुटेरेस बोले- ताकतवर देशों के कदमों से कमजोर पड़ रहा अंतरराष्ट्रीय कानून

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित बीआरआईसीएस शिखर सम्मेलन की घोषणा को बहुपक्षीय व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि दुनिया की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक संकटों के समाधान के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं के माध्यम से सहयोग की बात कर रही हैं।

गुटेरेस ने मौजूदा वैश्विक व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताते हुए कहा कि आज की दुनिया 1945 के दौर से काफी बदल चुकी है। उनके मुताबिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और ब्रेटन वुड्स संस्थाओं की मौजूदा संरचना बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन को पूरी तरह प्रतिबिंबित नहीं करती। उन्होंने विकासशील देशों को वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में अधिक प्रतिनिधित्व देने की वकालत की।

एंटोनियो गुटेरेस।

उन्होंने संघर्षों के बीच संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान पर भी जोर दिया। गुटेरेस ने कहा कि गाजा, व्यापक मध्य-पूर्व, यूक्रेन और सूडान जैसे संकटों के बीच सभी देशों की जिम्मेदारी है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के सिद्धांतों का पालन करें।

गुटेरेस ने सुरक्षा परिषद में सुधार को जरूरी बताते हुए कहा कि बहुध्रुवीय होती दुनिया के अनुरूप वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाना होगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा का हाई-लेवल वीक 18 से 28 सितंबर तक आयोजित होगा।

सुरक्षा परिषद में सुधार पर जोर

गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार को वैश्विक संस्थागत बदलाव का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि आज की आर्थिक, जनसांख्यिकीय और भू-राजनीतिक वास्तविकताएं 1945 के समय से अलग हैं। ऐसे में संस्थाओं की संरचना भी मौजूदा दुनिया के अनुरूप होनी चाहिए। सुरक्षा परिषद में 15 सदस्य हैं और इसकी संरचना को लेकर लंबे समय से सुधार की मांग उठती रही है। बीआरआईसीएस सम्मेलन के दौरान भी वैश्विक संस्थाओं में विकासशील देशों की अधिक भागीदारी की आवश्यकता पर चर्चा हुई। गुटेरेस ने कहा कि अधिक प्रतिनिधित्व वाला बहुपक्षीय ढांचा वैश्विक सहयोग को मजबूत कर सकता है।

अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का आह्वान

बीआरआईसीएस सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान गुटेरेस ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सम्मान पर जोर दिया। उन्होंने गाजा, व्यापक मध्य-पूर्व, यूक्रेन और सूडान जैसे संघर्षों का उल्लेख करते हुए सभी देशों से संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के सिद्धांतों का पालन करने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, गुटेरेस ने कहा कि बहुपक्षीय व्यवस्था को मजबूत करने की जिम्मेदारी सभी देशों की है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस में बम की धमकी देने के मामले में फर्स्ट ऑफिसर पर शक

नई दिल्ली. एजेंसी। दम्माम से नई दिल्ली आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में बम की झूठी धमकी के मामले में जांच फर्स्ट ऑफिसर तक पहुंच गई है। 31 अगस्त को फ्लाइट के शौचालय में धमकी भरी पर्ची मिलने के बाद विमान की अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई थी। विमान में 32 यात्रियों समेत कुल 40 लोग सवार थे।

अहमदाबाद पुलिस की जांच में फर्स्ट ऑफिसर के खिलाफ कुछ अहम सुराग मिलने की बात सामने आई है। पुलिस ने यात्रियों और क्रू सदस्यों के हैंडराइटिंग सैंपल लिए थे। जांच में धमकी वाले नोट की लिखावट और फर्स्ट ऑफिसर की लिखावट के बीच समानता मिलने का दावा किया गया है। इसके अलावा नोट में इस्तेमाल स्याही जैसी स्याही भी फर्स्ट ऑफिसर के पास मिलने की बात कही गई है। मामले में लाई डिटेक्टर टेस्ट समेत अन्य जांच के जरिए धमकी की सच्चाई सामने लाने की कोशिश की जा रही है।

गुरुग्राम हिट एंड रन केस में खुलासा, पार्टी के बाद महिला बाइक राइडर का किया पीछा

कार में आरोपी समेत चार युवक थे सवार, दो अन्य की तलाश जारी

गुरुग्राम, एजेंसी

गोल्फ कोर्स रोड पर महिला बाइक राइडर को कार से टक्कर मारने और पीछा करने के मामले में पुलिस की जांच में नए तथ्य सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार, वारदात से पहले आरोपी पूरी रात गुरुग्राम के एमजी रोड स्थित एक क्लब में पार्टी कर रहे थे। शनिवार रात कल्याण अपने परिचित की कार लेकर लवनिश और दो अन्य साथियों के साथ गुरुग्राम आया था। रविवार सुबह चारों फरीदाबाद लौट रहे थे।

पुलिस जांच के मुताबिक, पार्टी के बाद जब आरोपी गोल्फ कोर्स रोड पहुंचे तो उन्हें बाइक सवारों के समूह में एक युवती दिखाई दी। आरोपियों ने कथित तौर पर युवती पर टिप्पणी की और फिर उसका पीछा करना शुरू कर दिया। इसी दौरान कार से महिला बाइक राइडर सिया (शिवानी चौहान) को टक्कर मार दी गई और

आरोपी मौके से फरार हो गए। क्राइम ब्रांच ने कल्याण और लवनिश को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि घटना के समय कार में दो अन्य युवक भी मौजूद थे। दोनों बिहार के रहने वाले बताए जा रहे हैं। जांच के तहत पुलिस दोनों गिरफ्तार आरोपियों को गोल्फ कोर्स रोड लेकर पहुंची। घटनाक्रम को समझने के लिए सीन रिक्रिएशन कराया गया। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से मिले तथ्यों के आधार पर मामले की आगे जांच की जा रही है।

न्यूज विंडो

काशी में 76 बटुकों ने किया मां गंगा का दुग्धाभिषेक, चुनरी चढ़ाई

वाराणसी. एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर उनके संसदीय क्षेत्र काशी में बटुकों ने दुग्धाभिषेक कर दीर्घायु की कामना की। गुरुवार सुबह 7 बजे अहिल्याबाई घाट पर विप्र समाज का कार्यक्रम हुआ। मां गंगा को 76 मीटर लंबी चुनरी भी चढ़ाई गई। श्री अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्य आश्रम और शास्त्रार्थ महाविद्यालय के 76 बटुक ब्राह्मणों ने आचार्य उदित नारायण मिश्र के नेतृत्व में 76 लीटर केसर जल और दूध से मां गंगा का अभिषेक किया। मुख्य अतिथि विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि मोदी आस्था और सांस्कृतिक धरोहर के शिल्पी हैं। विश्वकर्मा जयंती पर उन्हें आधुनिक भारत का शिल्पी कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी। संयोजक डॉ. पवन शुक्ला ने कहा, मोदी ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और घाटों के सौंदर्यीकरण से काशी का स्वरूप बदला है।

सोशल मीडिया पर बलियान मर्डर की जिम्मेदारी लेने वाला गिरफ्तार

शामली. एजेंसी। हरियाणवी सिंगर अंकित बलियान हत्याकांड के मामले में इंटरनेट मीडिया पर फर्जी तरीके से हत्या की जिम्मेदारी लेने और जांच एजेंसियों को गुमराह करने वाले एक आरोपित को साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस पूछताछ में राजफाश हुआ है कि आरोपित ने महज लाइक्स और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए इस सनसनीखेज वारदात का झूठा दावा किया था। बुधवार को एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने प्रेसवार्ता कर अंकित बालियान हत्याकांड की जिम्मेदारी लेने वाले आरोपित की जानकारी दी। 26 अगस्त को शामली में फिटनेस जिम के बाहर 4 अज्ञात हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हरियाणवी सिंगर अंकित बलियान की हत्या कर दी थी। इस वारदात के बाद इंस्टाग्राम पर वीडियो तेजी वायरल हुआ। इसमें एक शख्स इस हत्याकांड को अंजाम देने की बात कबूल कर रहा था।

इंदौर में राहुल के छात्रों की गूंज की तैयारियां, रास्ते में स्वागत मंच नहीं

इंदौर। दोपहर मेट्रो

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 19 सितंबर को इंदौर आएंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के मुताबिक वे दोपहर 2:30 बजे इंदौर पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से सीधे रेडिसन होटल जाएंगे, जहां करीब दो घंटे रुकने के बाद रीजनल पार्क के सामने आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शामिल होंगे। उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट से कार्यक्रम स्थल तक रास्ते में कोई मंच नहीं लगाया जाएगा। कांग्रेस ने स्वागत और आयोजन की तैयारियां कार्यक्रम स्थल पर ही केंद्रित की हैं।

रीजनल पार्क के सामने तैयार हुआ बड़ा डोम

कार्यक्रम के लिए रीजनल पार्क के सामने मैदान में बड़ा डोम तैयार किया गया है। इसमें मंच के साथ छात्रों, कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों और युवाओं के शामिल होने की संभावना है। कांग्रेस के मुताबिक यहां राहुल छात्रों से संवाद करेंगे। शिक्षा, रोजगार सहित युवाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी।

पाकिस्तान में नहीं बहेगा भारत का पानी

ग्लेशियर लद्दाख की बंजर जमीन को हरा करेंगे, 5 माह में तैयार होंगे चार तालाब

जम्मू। एजेंसी

लद्दाख प्रशासन ने जल संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। लेह जिले के स्पितुक फरका में व्यर्थ बहने वाले स्टोक ग्लेशियर के पानी से बंजर जमीन को हरा करने का अभियान शुरू किया गया है। प्रोजेक्ट हिम सरोवर के तहत पांच महीने में ग्लेशियर के पानी को इगू-फे नदी की ओर मोड़कर चार जलाशय तैयार कर उन्हें भरा गया है। अब इन जलाशयों से सैकडों एकड़ जमीन को कृषि योग्य बनाया जा रहा है। पहले इस ग्लेशियर का पानी नदी-नालों से होता हुआ सिंधु नदी में मिलकर पाकिस्तान चला जाता था।

लद्दाख प्रशासन अब अपने ग्लेशियरों व नदियों के कतरा-कतरा पानी को लद्दाख के लोगों की जरूरत को पूरा करने के लिए इस्तेमाल करने का अभियान चला रहा है।

इसी कड़ी में रुपशो खारनाक ग्लेशियर

से रोजाना बहने वाले 3200 लीटर पानी को भी मोड़कर सिकुड़ रही सो कार झील को पुनर्जीवन दिया जा रहा है। बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर से पहले अपनी नदियों के पानी के इस्तेमाल में पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि बड़ी बाधा थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने ग्लेशियर के पानी के संरक्षण की परियोजना को प्रदेश में कृषि को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने इसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा, व्यर्थ होने वाले इस पानी से 1000 एकड़ जमीन पर खेती करने में मदद मिलेगी।

10 अप्रैल को शुरू हुई थी शुरुआत

उन्होंने बताया कि चारों जलाशयों के निर्माण कार्य की शुरुआत इसी वर्ष 10 अप्रैल को हुई थी। ग्लेशियर से पिघलने वाले पानी से पहला जलाशय 21 जून तक भर गया था। दूसरा 19 जुलाई को, तीसरा 24 अगस्त तक और चौथा जलाशय नौ सितंबर तक भर गया। इस पानी को अब लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

अब बनाए जा रहे चैक डैम

लद्दाख में शुरू से जल समस्या विकराल रही है। इस समय उपराज्यपाल प्रशासन इसके समाधान में जुटा है। इस अभियान के तहत नदियों में पानी को संग्रहित करने के लिए कुदरती तरीके से चैक डैम बनाए जा रहे हैं।

मेट्रो एंकर वैज्ञानिकों ने इसे मैकगेटचिन क्रेटर का दिया नाम, अध्ययन में मिलेगी मदद

NASA की खोज..6 मंजिला पत्थर चांद से टकराया, बना सबसे बड़ा नया गड्ढा

वॉशिंगटन। एजेंसी

नासा के लूनर रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एलआरओ) ने चंद्रमा की सतह पर एक नया और विशाल क्रेटर खोज निकाला है। यह क्रेटर अप्रैल 11 से मई 22, 2024 के बीच बने किसी बड़े इम्पैक्ट से पैदा हुआ। वैज्ञानिकों ने इसे मैकगेटचिन क्रेटर नाम दिया है। यह 222 मीटर चौड़ा और औसतन 43 मीटर गहरा है। यह सौर मंडल में हाल के समय में पाया गया सबसे बड़ा ताजा इम्पैक्ट क्रेटर है। ऐसे बड़े क्रेटर चंद्रमा पर औसतन हर 132 साल में एक बार ही बनते हैं, इसलिए यह खोज वैज्ञानिकों के लिए खास है। एलआरओ कैमरा टीम ने पुरानी और नई तस्वीरों की तुलना करके क्रेटर को पहचाना। 2025 में वाइड एंगल कैमरा की इमेज में एक चमकदार धब्बा दिखा। तब नैरो एंगल कैमरा से डिटेल तस्वीरें ली गईं।

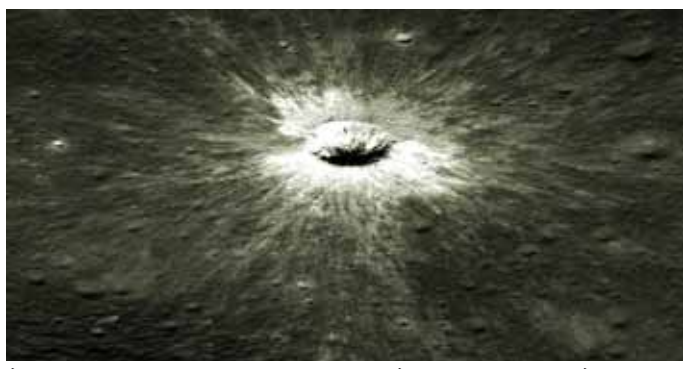

मैकगेटचिन क्रेटर चंद्रमा के पूर्वी किनारे पर बना है. यह हाईलैंड और मारे (समतल ज्वालामुखी क्षेत्र) की सीमा के पास स्थित है। क्रेटर के आसपास चमकदार इजेक्टा ब्लैंकेट है। इम्पैक्ट से निकली चट्टानें और धूल सैकड़ों मीटर तक फैली हुई हैं। कुछ मलबा 120 किलोमीटर से भी दूर तक पहुंचा।

वैज्ञानिकों ने पाया कि इम्पैक्ट से सतह पर 7 किमी चौड़ा एक ठंडा क्षेत्र (कोल्ड स्पॉट) भी बना। रात के समय यह क्षेत्र आसपास की तुलना में कुछ डिग्री ठंडा रहता है क्योंकि धूल ढीली हो गई है। जल्दी ठंडी पड़ती है। क्रेटर की दीवारें औसतन 24 डिग्री की ढलान वाली हैं, कुछ जगहों पर 40 डिग्री तक हैं।

इसका किनारा 8 मीटर तक ऊंचा

किनारा औसतन 8 मीटर ऊंचा है. इम्पैक्ट से सतह के नीचे 20 मीटर से अधिक गहराई की सामग्री बाहर निकली। यह क्रेटर अभी बिल्कुल ताजा है। अंतरिक्ष के मौसम और छोटे उल्कापिंडों से अभी इसे नुकसान नहीं पहुंचा है, इसलिए यह इम्पैक्ट प्रक्रिया का अध्ययन करने के लिए एक बेहतरीन प्राकृतिक प्रयोगशाला है।

यह खोज इसलिए महत्वपूर्ण बताया जा रहा है, क्योंकि इससे पहले एलआरओ मिशन के दौरान पाया गया सबसे बड़ा नया क्रेटर सिर्फ 70 मीटर का था। मैकगेटचिन क्रेटर उससे तीन गुना ज्यादा बड़ा है। इससे इम्पैक्ट की मैकेनिक्स, इजेक्टा का फैलाव और सतह में बदलाव के मॉडल को सुधारने में मदद मिलेगी।

लगातार निगरानी की जरूरत

यह भविष्य में चंद्रमा पर मानवीय मिशनों और बेस बनाने के लिए भी उपयोगी जानकारी दे सकता है। अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ ने इसे मैकगेटचिन नाम दिया। यह नाम अपोलो युग के चंद्र वैज्ञानिक थॉमस मैकगेटचिन के सम्मान में रखा गया। उन्होंने इम्पैक्ट क्रेटरों से निकलने वाले मलबे के मॉडल पर महत्वपूर्ण काम किया था।

यह घटना बताती है कि चंद्रमा अभी भी सक्रिय है. छोटे-बड़े इम्पैक्ट लगातार होते रहते हैं। एलआरओ जैसे ऑर्बिटर लगातार तस्वीरें लेकर इन बदलावों को पकड़ते हैं। बिना नियमित निगरानी के यह क्रेटर शायद लंबे समय तक अनदेखा रह जाता। वैज्ञानिक इस क्रेटर का और अध्ययन कर रहे हैं ताकि इम्पैक्ट प्रक्रिया को बेहतर समझ सकें।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524